हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 1 जून, 2025

11 बेकार की सामग्री से सुंदर एवं आकर्षक वस्तुएं ...

12 तम्बाकू से शुरू होता है मौत का सफर

SURAJ DEGREE COLLEGE
Mahendergarh
Affiliated to IGU, MEERPUR -REWARI
web : www.surajeducation.com

Heartiest Congratulations

Fabulous University **Results** सर्वाधिक मेरिट Toppers TOP-10 MERIT LIST

PRIDE OF SURAJ

!! पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान

1st B.Sc MED 2nd Sem

UMANG
D/o Mr. Vijay Singh, Kanheti

1st B.Com 3rd Sem

JUHI
D/o Mr. Chanderprakash, Jhagroli

1st B.C.A. 1st Sem

PARV
S/o Mr. Mukesh, Narnaul

1st M.A. ENG 1st Sem

MONIKA
D/o Mr. Naresh Kumar, Satnali

1st B.A 5th Sem

TANNU
D/o Mr. Mukesh, Mahendergarh

1st BCA 3rd Sem

MUSKAN
D/o Mr. Ajit Singh, Luhana

University Rank 2

VAIBHAVI
D/o Mr. Rajesh Bhiwani
M.A. ENG - 1st Sem

University Rank 2

ANJALI
D/o Mr. Ajit Singh Bassai
M.Sc Che 1st Sem

University Rank 2

MANISHA
D/o Mr. Surender Singh Kotia
B.Sc H Phy 4th Sem

University Rank 2

UJALA
D/o Mr. Kuldeep Singh Nangal Harnath
B.A. 5th Sem

University Rank 2

POOJA
D/o Mr. Vikram Kumar Ramalwas
B.B.A. 3rd Sem

University Rank 2

EKTA
D/o Mr. Sujan Singh Deroli Jat
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 2

EKTA
D/o Mr. Mehar Chand Khatiwas
B.A. 6th Sem

University Rank 3

NISHANT
S/o Mr. Jai Ram Sharma Maroli
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 3

PRIYANSHI
D/o Mr. Ashok Kumar Rewari
M.A. ENG 4th Sem

University Rank 3

ISHA
D/o Mr. Satish Mahendergarh
B.Sc. Life Sciences 1st Sem

University Rank 3

SABNAM
D/o Mr. Mobin Khan Dongra Ahir
M.Sc Phy. 1st Sem

University Rank 3

LAXMI
D/o Mr. Santosh Kumar Kanina
M.Sc. PHY 3rd Sem

University Rank 3

ANGITA
D/o Mr. Arjun Garg Siha
M.A. ENG 3rd Sem

University Rank 3

SNEHA
D/o Mr. Rajesh Kumar Mahendergarh
B.Com. 5th Sem

University Rank 4

PUNAM
D/o Mr. Ashok Kumar Kapoori
B.Com 6th Sem

University Rank 4

MS DEEPIKA
D/o Mr. Kirori Lal Gheeloth
M.Sc Maths 4th Sem

University Rank 4

SNEH
D/o Mr. Mahipal Rasulpur
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 4

PARVEEN
S/o Mr. Devender Kumar Bawania
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 4

JYOTI
D/o Mr. Gillu Ram Dewas
M.A. Eng 1st Sem

University Rank 4

SAKSHI
D/o Mr. Bhupender Singh Charkhi Dadri
M.Sc. Geo 1st Sem

University Rank 4

SARITA
D/o Mr. Rohtash Ratta Kalan
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 5

SONAM
D/o Mr. Ramesh Kumar Chhithroli
B.Com. 1st Sem

University Rank 5

TAMANNA
D/o Mr. Devender Singh Dhawana
B.A. 1st Sem

University Rank 5

PAYAL
D/o Mr. Anil Kumar Adalpur
B.Sc Life Sciences 1st Sem

University Rank 5

NITESH
S/o Mr. Surender Singh Nahar
M.Sc. Phy 4th Sem

University Rank 5

VANSHIKA
D/o Mr. Suresh Kumar Dalanwas
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 5

BHATERI
D/o Mr. Karmbir Nayagaon
M.Sc Phy 3rd Sem

University Rank 6

SAPNA
D/o Mr. Mahipal Yadav Mandlana
M.A. ENG. 1st Sem

University Rank 6

SONIKA
D/o Mr. Satvir Bhagwi
B.Sc. H Phy 6th Sem

University Rank 6

SHIVANI
D/o Mr. Kuldeep Soni Mahendergarh
B.B.A. 2nd Sem

University Rank 6

KOMAL
D/o Mr. Shiv Kumar Nangal Mundi
M.Sc. Geo 4th Sem

University Rank 6

KARISHMA
D/o Mr. Ajit Singh Sihma
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 6

EKTA
D/o Mr. Ramesh Kumar Mundia Khera
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 7

ANJALI
D/o Mr. Ajit Singh Bassai
B.Sc. NM 6th Sem

University Rank 7

MUSKAN
D/o Mr. Narender Dhawana
M.Sc. Phy 1st Sem

University Rank 7

SONAM
D/o Mr. Ramesh Kumar Khairana
B.Sc H Che 6th Sem

University Rank 7

SONIYA
D/o Mr. Satyanarayan Majra Khurd
M.Sc. Che 4th Sem

University Rank 7

NEHA
D/o Mr. Chetan Prakash Mahendergarh
B.Sc H Phy 3rd Sem

University Rank 7

BHAWANA
D/o Mr. Chhavi Prakash Nimbi
B.B.A 2nd Sem

University Rank 7

RIYA
D/o Mr. Narendra Kumar Sheoramnathpura
B.C.A. 5th Sem

University Rank 7

GAGAN
D/o Mr. Anoop Kumar Bhurjat
B.C.A. 3rd Sem

University Rank 7

KARUNA
D/o Mr. Anand Jhagroli
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 7

MONIKA
D/o Mr. Jagram Kherki
M.A. ENG 3rd Sem

University Rank 7

HIMESH
S/o Mr. Virender Luhana
B.Sc. Physical Science 1st Sem

University Rank 8

SONAL YADAV
D/o Mr. Anil Kumar Gadania
B.Sc H Phy 6th Sem

University Rank 8

NARVEER
S/o Mr. Jai Parkash Bawana
M.A. ENG 2nd Sem

University Rank 8

SAKSHI
D/o Mr. Shri Bhagwan Bucholi
B.Sc. Med 6th Sem

University Rank 8

ANJU
D/o Mr. Dinesh Dhana
B.Com 6th Sem

University Rank 8

NIKITA
D/o Mr. Nathu Ram Bharaf
B.A .6th Sem

University Rank 8

SONAM
D/o Mr. Mahesh Jhagroli
B.Sc. Med 4th Sem

University Rank 8

ANURADHA
D/o Mr. Narender Bhojawas
M.Sc Che 3rd Sem

University Rank 8

DEEPIKA
D/o Mr. Sanjay Kumar Mudain
B.Sc. Med 5th Sem

University Rank 8

MANISHA
D/o Mr. Krishan Kumar Bihali
B.Sc H Phy 3rd Sem

University Rank 8

MONIKA
D/o Mr. Bijender Sharma Bassai
M.Sc. Phy 3rd Sem

University Rank 9

REENA
D/o Mr. Amit Kumar Dahina
B.A. 4th Sem

University Rank 9

NIKITA
D/o Mr. Lalit Narain Jasawas
B.Sc. Medical 5th Sem

University Rank 10

VIDHI YADAV
D/o Mr. Sanjay Kumar Dhawana
B.Com 1st Sem

University Rank 10

SUBODH
D/o Mr. Chand Singh Kanina
M.A. ENG 1st Sem

University Rank 10

SHIWANI
D/o Mr. Randhir Singh Adalpur
M.Sc Maths 4th Sem

University Rank 10

MANISHA
D/o Mr. Sanjay Kumar Siha
B.C.A. 3rd Sem

I.G. University **Gold** Medalist B.A.

EKTA
D/o Mr. Mehar Chand, Khatiwas

I.G. University **Gold** Medalist B.Sc Non Medical

NEHA
D/o Mr. Hawa Singh, Bairawas

I.G. University **Gold** Medalist M.Sc Physics

SAPNA
D/o Mr. Ajay Singh, Partal

Admission Open
Apply Now !!

Courses Offered : -

M.Sc. PHYSICS, CHEMISTRY, MATHEMATICS, GEOGRAPHY

M.A. ENGLISH

B.A.

B.Sc. LIFE SCIENCE (Medical), PHYSICAL SCIENCE (Non Medical)

B.Sc. HONOURS PHYSICS, CHEMISTRY, MATHEMATICS

B.B.A. **B.C.A.** **B.Com.** **B.Ed.**

Call | 9991530053, 8607555793

Online Form
Filling Facility is available at College Campus

Sunday Open

Special Scholarship for MERITORIOUS STUDENTS

Transport
Facility Available up to 60 Kms radius of Campus

A.C. Hostel
Facility Available for Girls

खबर संक्षेप

एक जून का प्रस्तावित दौरा स्थगित

तोशाम। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के तोशाम हल्का के एक जून को प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम उनकी व्यस्तता के चलते आगामी आदेशों तक स्थगित कर दिए गए हैं। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी अब 2 जून को तोशाम क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर लोगों की समस्या सुनेंगे और विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगी।

पुरानी गाड़ी दिलाने के नाम पर दो लाख ठगे

भिवानी। थाना शहर पुलिस भिवानी ने पुरानी गाड़ी दिलवाने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी ने पीड़ित से दो लाख 16 हजार रुपये धोखाधड़ी से हड़पे है। योगेश निवासी भिवानी ने थाना शहर पुलिस भिवानी को एक शिकायत दर्ज करवाई थी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में करएं योगासन

भिवानी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में जिला कारागार में योगासन अभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर में जिला जेल उप अधीक्षक अनिल कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। जेल बंदियों, जेल अधिकारियों और कर्मचारियों को योगासन और प्राणायाम से होने वाले स्वास्थ्य लाभ की जानकारी दी गई। इस दौरान जेल उप अधीक्षक अनिल कुमार ने कहा कि योगासन और प्राणायाम के नियमित अभ्यास करने से उनका लाभों का अनुभव किया जा सकता है।

दानपात्र तोड़कर चोरी करने के दो आरोपी काबू

चरखी दादरी। एमसी कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में दानपात्र का ताला तोड़कर नकदी व चांदी के आभूषण चोरी के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अज्ञात लोगों ने एमसी कालोनी स्थित शिव मंदिर में रखे दानपात्र का ताला तोड़कर चोरी की थी। पुलिस ने जयवीर की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

दादरी में अपराध चरम पर, गैंगस्टरों का खौफ

चरखी दादरी। कांग्रेस वरिष्ठ नेत्री डॉ. मनीषा सांगवान ने कहा कि

दादरी में अपराध चरम पर है, हर दिन फिरौती, मारपीट और धमकी के मामले सामने आ रहे हैं। विदेश से गैंगस्टर व्यापारियों को जान से मारने की धमकी देने लगे हैं। अब लोग दादरी से जनप्रतिनिधि के चुनाव में किए अपराधमुक्त के दावे हाव हवाई को गए।

राहुल की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। प्रबंधक थाना तोशाम ने राहुल हत्या मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शमशेर निवासी सरल ने थाना तोशाम पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी कि 27 मई को मोटरसाइकिल पर अपने बेटे राहुल के साथ गांव सरल से स्याहड़वा जा रहे थे जो रास्ते में गारनपुरा कला के पास पहुंचने पर पीछे से मोटरसाइकिल व कार सवार आरोपियों के द्वारा शिकायतकर्ता को पकड़कर लाठी डंडों से उनके बेटे राहुल को जान से मारने की नीयत से चोट मारी थी, जिसे इलाज के लिए निजी अस्पताल हिसार में भर्ती कराया गया था जहां उपचार के दौरान राहुल की मृत्यु हो गई थी।

मौसम ने बदली करवट बूंदाबांदी से गिरा पारा

भिवानी। शनिवार दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट बदली। धूल भरी आंधी के साथ हलकी बूंदाबांदी से दो डिग्री सेल्सियस पारा लूढक गया। पारा नीचे आने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। हालांकि एकबारगी धूल भरी आंधी से अंधेरा छा गया,लेकिन करीब दस मिनट बाद हलकी बूंदाबांदी से धूल भरी आंधी से राहत मिली।

उपायुक्त व एसपी ने लिया तैयारियों का जायजा

ऑपरेशन शील्ड के अंतर्गत आयोजित की गई मॉक ड्रिल की एक्सरसाइज: एसडीएम

भिवानी। मॉक ड्रील के तहत स्टेचर पर एक घायल को ले जाते हुए व फ्लैग मार्च करती पुलिस। *फोटो: हरिभूमि*

आपातकालीन परिस्थितियां की तैयारियां मॉक ड्रील के तहत जांची

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी/तोशाम

शनिवार शाम को करीब पांच बजे के आसपास सचिवालय में सायरन बजा। सायरन की आवाज सुनते ही सचिवालय में भागदौड़ सी मच गई। एम्बूलेंस का सायरन तो एक तरफ पुलिस कर्मचारी स्टेचर पर एक व्यक्ति को लाते हुए नजर आए। कोई सीढी लगाकर भवन की पहली मंजिल से किसी व्यक्ति को कंधे पर लादकर लाते हुए नजर आए। इसी दौरान पुलिस भी फ्लैग मार्च करती नजर आई। इस तरह के सारे नजारे को पुलिस अधीक्षक मनबीर सिंह व उपायुक्त महाबीर कौशिक ने देखा। सचिवालय में विभिन्न कार्यो से आए लोग भी दाए बाए भागने लगे। बाद में पता चला कि मॉक ड्रील आयोजित की जा रही है। करीब आधे घंटे तक सचिवालय में इसी तरह का नजारा बना रहा। सारी तैयारियां जांचने के बाद ही सचिवालय में अफरा तफरी के माहौल पर विराम लगा। मॉक ड्रील में करीब पांच सौ से ज्यादा कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। माक ड्रिल में नायब तहसीलदार संजय शर्मा, एसएचओ महाबीर सिंह, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य विभाग, एनसीसी कैडेट लडके और लडकियां, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आदेशों की पालना करते हुए किया मॉक ड्रिल: उपायुक्त

उपायुक्त महाबीर कौशिक ने बताया कि आज केंद्र सरकार के निर्देशों के बाद मॉड ड्रील की गई। इस दौरान आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की सारी व्यवस्थाएं जांची गई। साथ ही लोगों को यह संदेश दिया गया कि अगर इस तरह की कोई स्थिति बन जाती है तो कभी घबराने की जरूरत नहीं और न ही पैनिक होने की जरूरत। लोगों में जागरूकता लाने के लिए शाम के वक्त सचिवालय में मॉक ड्रील की गई।

तोशाम में जांची प्रशासनिक तैयारियां

एसडीएम डॉक्टर अशवीर सिंह नैन की अध्यक्षता में तोशाम में गुरुवार को आपदा प्रबंधन और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में में ऑपरेशन शील्ड के अंतर्गत लघु सचिवालय में एक सफल अभ्यास का आयोजन किया गया। लघु सचिवालय में शाम 5:00 बजे एसडीएम ने विभागीय अधिकारियों संग सफल माक ड्रिल की। एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में प्रशासनिक तैयारियों का मूल्यांकन करना और नागरिकों को जागरूक करना है। ड्रिल के दौरान, विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों का अनुकरण किया गया है।

भिवानी। प्रशासनिक तैयारियों का निरीक्षण करते एसपी व उपायुक्त।

महेंद्रगढ़। आरपीएस कॉलेज का भवन। *फोटो: हरिभूमि*

आरपीएस कॉलेज बलाना में टैलेंट हंट व स्कॉलरशिप टेस्ट आज

- भूतपूर्व निदेशक छात्र कल्याण विभाग रोहतक डॉ. जगबीर राठी होंगे विशेष अतिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

आरपीएस कॉलेज बलाना में 12वीं पास छात्र-छात्राओं के लिए एक जून को टैलेंट हंट एवं स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया जाएगा। कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव ने बताया कि इस टैलेंट हंट का आयोजन 12वीं पास साइंस, आर्टस व कॉमर्स विषय से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन कॉलेज में सुबह 10 बजे किया जाएगा। डॉ. यादव ने बताया कि टैलेंट हंट एवं स्कॉलरशिप परीक्षा के साइंस, आर्टस व कॉमर्स विषयों के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले छात्रों को लैपटॉप, टैब व फोन ईनाम स्वरूप दिए जाएंगे। इसी प्रकार चौथे स्थान से 50वें स्थान पर विषयवार 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। कॉलेज सीईओ इंजी. मनीष राव ने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा को निखारने के अतिरिक्त जरुरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर जीवन में सफल बनाने का है।

शुक्रवार तक कुल 3700 विद्यार्थी इस परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करवा चुके है। रविवार को परीक्षा के दिन छात्रों के मनोरंजन के लिए विशेष अतिथि के रूप में भूतपूर्व निदेशक छात्र कल्याण विभाग महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक एवं प्रसिद्ध हरियाणवी कलाकार, कवि व लेखक डॉ. जगबरी राठी विशेषतौर पर उपस्थित होंगे। राव ने सभी 12वीं पास विद्यार्थियों को इस परीक्षा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया तथा इसका लाभ उठाने का आह्वान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना की।

श्रीदक्ष प्रजापति महाराज की शोभायात्रा के लिए विशेष बैठक आज

भिवानी। प्रजापति समाज की ओर से समाज की एकता एवं सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने के लिए रविवार 1 जून को शाम 5:30 बजे प्रजापति धर्मशाला खाड़ी मोहल्ला दिनोद गेट में महत्वपूर्ण बैठक होगी। बैठक का मुख्य उद्देश्य श्रीदक्ष प्रजापति महाराज की भव्य शोभायात्रा के आयोजन को लेकर समाज के सभी लोगों से सुझाव लेना और आयोजन की रूपरेखा तैयार करना है।

पेड़ गिरने से सड़क मार्ग जाम

- तेज आंधी-तूफान से सैंकड़ों पेड़ व बिजली के पोल टूटे, 30 गांवों में छह घंटे ठप रही बिजली आपूर्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। तेज आंधी से कस्बे के जुई रोड पर गिरे किकर के पेड़ व तेज आंधी से गिरा बिजली का पोल। *फोटो: हरिभूमि*

उपमंडल क्षेत्र में शनिवार को दोपहर बाद आए आंधी-तूफान व बरसात से उपमंडल क्षेत्र में सैंकड़ों हरे पेड़ व बिजली आपूर्ति के 40 पोल टूटकर लाईन सहित जमीन पर बिछ गए, जिससे क्षेत्र के लगभग 30 गांवों में छह लाइनो पर छह घंटे तक बिजली बाधित रही और जिससे आमजन को अनेक परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। तेज आंधी से कपास के छोटे -छोटे पौधे मिट्टी में दब गए हैं। शुक्रवार दोपहर बाद तेज आंधी तुफान व फिर बरसात के कारण सड़कों, नहरों के किनारे खड़े बड़े-बड़े पेड़ भूमि पर गिर गए जिससे जुई बाढड़ा, बाढड़ा झोझू, बाढ़ड़ा से कादमा व सतनाली रोड़ के अलावा नहरों, सड़कों व खेतों में खड़े पेड़ भी टूट कर भूमि पर गिर गए, जिससे जुई बाढड़ा, बाढ़ड़ा से ढिगावा रोड़ पर बड़े पेड़ गिरने से सड़कमार्ग पर आवागमन ठप रहा। आंधी तूफान की वजह से कई अन्य सड़क मार्ग भी जाम रहे। आंधी की चपेट में आने से बिजली आपूर्ति की लाईनों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा है। कई जगह खंभे टूट गए, वहीं कई जगह पूरी आपूर्ति लाईन ही टूटकर जमीन पर बिछ गई है। इससे क्षेत्र में सारी रात्रि बिजली आपूर्ति ठप रही और ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल का संकट भी पैदा हो गया। सड़कों पर पेड़ व अलग -अलग फीडरों की आपूर्ति लाईन व तारें टूटकर गिरने से सड़क मार्ग बाधित रहा वहीं लोग बिजली पानी के लिए लिए भी तरस रहे हैं।

शिविर शिक्षकों के साथ छात्रों को पहुंचाते हैं दीर्घकालीन लाभ

- 2 से 5 जुलाई तक स्कूलों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देंगे पीटीआई, डीपीई व शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता : पिंकू
- पीटीआई, डीपीई व शारीरिक प्रवक्ताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर हुआ सम्पन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को योग दिवस कार्यक्रम को लेकर आयुष विभाग भिवानी एवं जिला प्रशासन द्वारार स्थानीय भीम स्टेडियम में आयोजित करवाए गए पीटीआई, डीपीई व शारीरिक प्रवक्ताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शनिवार को संपन्न हो गया। शिविर के समापन अवसर पर भिवानी के उप जिला शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर पहुंचे। इस दौरान जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. रश्मि शर्मा, एएमओ कम नोडल अधिकारी डा. निशा खट्टांर के नेतृत्व में एईओ सत्यवान कोच, नोडल अधिकारी मदन गोपाल प्रवक्ता, एईईओ डा. अनिल कुमार, प्रदीप कुमार व योग शिक्षक गजानंद कौशिक ने सभी गुरुजनों को बेहतरीन तरीके से योग का अभ्यास करवाया। तीन दिवसीय शिविर के दौरान योगाचार्यो ने योगाभ्यास में कपाल भाति और प्राणायाम में नाड़ी शोधन, अनुलोम-विलोम प्राणायाम, शीतली प्राणायाम और भ्रामरी प्राणायाम के साथ-साथ यौगिक दौड़, योगिक जोगिंग, सूर्य नमस्कार, दंड- बैठक, मोटापे के लिए अभ्यास, शुगर, सर्वाइकल, थायराइड के लिए आसन तथा शरीर के आठ चक्रों के लिए 8 भस्त्रिका, उज्जाई व ओम का उच्चारण तथा ध्यान आदि योग क्रियाओं का योगाभ्यास करवाया।

भिवानी। आयोजित प्रशिक्षण शिविर में योग करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

केवल विद्यार्थी, बल्कि उनके गुरूजन भी स्वस्थ रहें

उप जिला शिक्षा अधिकारी शिवकुमार तंवर ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है ना केवल विद्यार्थी, बल्कि उनके गुरूजन भी स्वस्थ रहे तथा इसी उद्देश्य से इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करवाया गया, ताकि विद्यालय स्तर पर शारीरिक शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करना, योग एवं आयुष पद्धतियों को दैनिक दिनचर्या में शामिल करना तथा विद्यार्थियों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाना था।

सभी स्कूलों में देंगे प्रशिक्षण : पिंकू

शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया है कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के बाद सभी सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों के पीटीआई, डीपीई व शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता 2 जुलाई से 5 जुलाई तक सभी स्कूलों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देंगे।

खरीफ फसलों की नवीनतम तकनीक बताई

- फसल विविधीकरण उद्देश्य के तहत बेर, अमरूद, किन्नू, मौसम्बी, नींबू, स्ट्राबेरी की खेती के बारे मे जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। आयोजित शिविर में फसलों के बारे में जानकारी देते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

मिताथल, रिवाड़ी खेड़ा, चांग गांव में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र भिवानी के अगुवाई में इन मुख्य उद्देश्यों खरीफ फसलो की नवीनतम तकनीकों, प्राकृतिक खेती की विधियों, फसल विविधीकरण , मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित फसलों के चयन, संतुलित उर्वरकों के उपयोग, आईसीईटी और आधुनिक यंत्रों से स्मार्ट कृषि किया गया। इस अभियान के दौरान डॉक्टर मुरारी लाल, जिला विस्तार विशेषज्ञ (बागवानी) ने फसल विविधीकरण उद्देश्य के तहत बेर, अमरूद, किन्नू, मौसम्बी, नींबू, स्ट्राबेरी की खेती के बारे मे जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि इन बागों में दाल वाली फसलों की खेती के बारे मे बताया । डॉक्टर संजय मक्कर, उपमंडल अधिकारी, भिवानी ने विभाग द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न केंद्रीय एवम् राज्य सरकार की स्कीमों के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने प्राकृतिक खेती की विधियों,के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी। डॉक्टर विरेन्द्र भाकर ने धान, कपास, बाजरा फसलों की उन्नत खेती के साथ साथ संतुलिम उर्वरकों के उपयोग के बारे जानकारी दी।

स्कीमों की दी जानकारी

डॉक्टर राजेश ग्रेवाल एवं डॉक्टर राजकुमार, पशु चिकित्सक विभागीय स्कीमों के बारे में बताया। डॉक्टर आनंद प्रकाश, पशु रोग जांच अधिकारी ने बांझपन थलेला एवम् खनिज मिश्रण के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। बागवानी विभाग से राहुल ने बागवानी विभाग की स्कीमों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

कबाड़ से बनाई सजावटी वस्तुएं

- आज के समय में रीयूज और रिसायक्लिंग की संस्कृति को अपनाना बेहद जरूरी : पुनिया
- पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता व रचनात्मकता का बेहतरीन उदाहरण बनी प्रदर्शनी : मा. पवन कुमार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जिला के गांव बजीणा स्थित वीर शहीद शीशपाल पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को वर्क एजुकेशन अनुदेशक मास्टर पवन कुमार मिताथल के मार्गदर्शन में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों द्वारा आर्ट एंड क्राफ्ट में वेस्ट सामान से विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए आकर्षक आइटम्स जैसे प्लास्टिक की बोतलों से बने फूलदान, पुराने सीडी से बनी घडिय़ां, टायर से तैयार की गई कुर्सियां और पुराने कपड़ों से बनी वॉल हैंगिंग्स ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। इस मौके पर प्राचार्य अनूप सिंह पूनिया ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां ना केवल विद्यार्थियों की कलात्मक क्षमता को बढ़ावा देती हैं, बल्कि उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाती हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में रीयूज़ और 'रिसायक्लिंग की संस्कृति को अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कलाकृतियों बच्चों में बौद्धिक और मानसिक विकास के साथ साथ उनका सर्वांगीण विकास करने में भी सहायक होती है।

भिवानी। बच्चों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का दृश्य। *फोटो: हरिभूमि*

जिला कारागार में बंदियों को योग कराकर दिए तनावमुक्त रहने के टिप्स

भिवानी। आयुष विभाग में हरियाणा योग आयोग द्वारा विश्व योग दिवस की तैयारियां शुरू कर दी गई है। आयुष विभाग भिवानी द्वारा जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा, जिला योग कोऑर्डिनेटर डॉ. संजय वैद्य, योग स्पेशलिस्ट डॉ. निशा के दिशा निर्देशानुसार शनिवार को जिला कारागार में कैदियों व बंदियों के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया, जिसमें आयुष योग सहायक कविता अहलावत, सुनील व अनिल ने योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण करवाया। उन्होंने कैदियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए आसन, प्राणायाम व सूक्ष्म व्यायाम करवाए व सभी को योग को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं कविता अहलावत ने बताया कि 21 जून विश्व योग दिवस की तैयारियों में पूरा आयुष विभाग एकजुट होकर कार्य कर रहा है और इसे सफल बनाने के लिए जिले में योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन समय समय पर किया जा रहा है।

जताई को हांसी जिले में शामिल करने का लोगों ने किया विरोध

जताई को हांसी में शामिल करने के विरोध में हुई पंचायत

- किसी भी सूरत में हांसी में नहीं होंगे शामिल : सरपंच

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र के गांव जताई में पंचायत की गई। जिसमें दर्जनों ग्रामवासियों ने भाग लिया। गांव जताई के सरपंच प्रतिनिधि ईशवंत सिंह ने कहा कि हमें सूचना मिली है कि सरकार हमारे गांव जताई को प्रस्तावित नया जिला हांसी में शामिल करने की योजना बना रहे हैं। और सोशल मीडिया पर एक नया जिला हांसी का प्रपोजल मानचित्र भी वायरल हुआ है जिसमें जताई को भी मानचित्र में दर्शाया गया है। इसी के विरोध में पंचायत कर इसका विरोध किया गया है। उन्होंने बताया कि समस्त गांव ने यह फैसला लिया है कि हम किसी भी किमत पर हांसी में शामिल नहीं होंगे और पंचायत ने भी हांसी में शामिल ना होने का प्रस्ताव पास कर दिया है और वह विधायक, सांसद, नये जिले गठन कमेटी के चेयरमैन मंत्री कृष्ण पंवार को भी देंगे। वहीं ग्रामीण ऋषि ने कहा कि हमारा गांव जताई भिवानी के लगता है और सभी छात्र छात्राएं भिवानी में ही पढ़ने के लिए जाते हैं और हांसी डबल शिफ्ट में पड़ता है जो हमारे लिए आने जाने में भी दिक्कत देंगा।

बवानीखेड़ा। हांसी में शामिल होने की खबरों के विरोध में हुई पंचायत।

ग्रामीणों बोले जताई को भिवानी में हीं रखा जाए

मीडिया के माध्यम से सरकार को कहा कि गांव को हांसी में शामिल करने की बजाय भिवानी में ही रखें। और सभी ग्रामवासियों ने अपने विचार रखे। और सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया कि गांव जताई भिवानी में ही रहना चाहता है और भिवानी में ही रखा जाए। सभी ग्रामीणों ने एक सुर में कहा कि अगर विधायक, सांसद हमारे साथ खड़े नहीं हुए तो उनका गांव में विरोध भी किया जाएगा। वह हमारे प्रतिनिधि है हमने उनको चुना है तो वह भी हमारे साथ खड़े हो। इस पंचायत में सरपंच प्रतिनिधि ईशवंत सिंह, मनोज पंच, हरिओम पंच, ऋषि होलदार, सचिन जताई, सुमित नागर जताई, अशोक जताई, अनिल राजपूत, छकड़ा कलाकार, अनिल नागर, प्रदीप मेंबर, रिषी, जयवीर आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

पिंकी को प्रधान व नरेश को उपप्रधान बनाया

बवानीखेड़ा। गांव जमालपुर की पीएचसी में जिला बॉडी की मीटिंग का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता राज्य प्रधान शर्मिला देवी ने की। जिसमें एमपीएचई ब्लॉक बॉडी का गठन किया गया। जिसमें जिला स्तर के सभी प्रदाधिकारी मौजूद रहे। जमालपुर की नवगठित कमेटी में सिप्पर की पिंकी प्रधान, मिलकपुर के नरेश उपप्रधान, अलखपुरा के रविन्द्र सचिव, रोनात की जयंती कैशियर, जमालपुर की कुसुम सहसचिव, बवानी खेड़ा के राजेन्द्र प्रैस सचिव, बड़सी की राममूर्ति मुख्य सहालहार सर्वसम्मति से चुने गए। सभी पदाधिकारियों ने बताया कि जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी गई है वे उन्हें ईमानदारी से वहन करेंगे।

मकान में लगी आग से लाखों का सामान जला

बाढ़ड़ा। कस्बे के जेवली रोड पर मकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई, जिसकी सूचना फायर ब्रिगेड की को दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस दोरान लाखों का सामना जलकर राख हो गया। महिपाल ने बताया कि अज्ञात कारणों से निवार सुबह मकान में आग लग गई, जिसकी सूचना 112 व फायर ब्रिगेड की टीम को दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस दौरान उन्होंने बताया कि घर में दुकान का सामना भी रख हुआ था, जो बैड, सोफा, अलमारी, वाटर कुलर, पंखा, एसी आकद सामान जल गया। आग से सामान जलने से करीब दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास शुरू

भिवानी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को होने वाले योगासन एवं प्राणायाम कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और जिला प्रशासन द्वारा किए गए आह्वान के चलते सामाजिक संस्थाएं और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन भी आगे आने लगी हैं। नागरिकों ने शहर में पार्कों में योगासन एवं प्राणायाम शुरू कर दिए हैं। सेक्टर 23 में नागरिकों द्वारा योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया जा रहा है। उल्लेखनीय के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सरकार के निर्देशानुसार 21 जून को जिला, उपमंडल और खंड स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें नागरिकों को योगासन में प्राणायाम करवाए जाएंगे।

उत्तमीबाई कन्या स्कूल में उत्साहपूर्वक समर कैंप संपन्न

बेकार की सामग्री से सुंदर एवं आकर्षक वस्तुएं बनानी सीखीं

कैंप में नृत्य, योगा, खेल, आर्ट एंड क्राफ्ट, वेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, और श्लोकोच्चारण आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। श्रीमती उत्तमीबाई स्कूल में समर कैंप में कुकिंग विद आउट फायर में भाग लेती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

भिवानी। समर कैंप में बनाई गई लड्डियां दिखाती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

श्रीमती उत्तमीबाई स्कूल में 26 से 31 मई तक चल रहे पांच दिवसीय समर कैंप का समापन हुआ। समर कैंप में विद्यालय की कक्षा पहली से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कैंप में नृत्य, योगा, खेल, आर्ट एंड क्राफ्ट, वेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, ड्राइंग, कुकिंग विद आउट फायर और श्लोकोच्चारण आदि गतिविधियों का आयोजन किया। खेल गतिविधि में डीपीई मुनेश ने छात्राओं को बास्केटबॉल, रस्सी कूदना, वालीबाल, टेबल टेनिस, निशाने साधना आदि खेल सिखाएं व अभ्यास करवाया। योग प्रशिक्षक अमृतलाल ने विभिन्न प्रकार के योगाभ्यास सिखाएं।

बबीता व हेमा के नेतृत्व में छात्राओं ने राजस्थानी ,हरियाणवी ,पंजाबी नृत्य के विभिन्न स्टेप्स सीखे। कुकिंग विदाउट फायर गतिविधि में गोमेद व टोनी शर्मा ने छात्राओं को नारियल के लड्डू ,चना दाल मसाला, सैंडविच ब्रेड दही बड़ा व चमचम आदि स्वादिष्ट व्यंजन बनाने की विधियां सिखायी व छात्राओं ने स्वादिष्ट व्यंजन बनाने सीखें।

छात्राओं ने सभी व्यंजन बिना आग के अपने घर पर भी बनाने का अभ्यास किया। श्लोकोच्चारण गतिविधि में मंजू ने छात्राओं को संस्कृत के विभिन्न श्लोकों का उच्चारण सुर व लय के साथ कंठस्थ याद करवाया। आर्ट एंड क्राफ्ट गतिविधि में सविता व भूमिका ने छात्राओं को विभिन्न प्रकार की घर पर रखी हुई बेकार सामग्री से सुंदर व आकर्षक वस्तुएं बनानी सिखायी। प्राचार्या अनीता बासोतिया ने कहा कि छात्राओ ने बहुत ही कम समय में इतनी सारी कलाओं को एक साथ सीखकर भरपूर आनंद उठाया है।

प्राचार्य ने सभी गतिविधियों के प्रशिक्षिकाओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार छात्राओं का कुशल मार्गदर्शन करती रहेंगी। कैंप का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की पढ़ाई के साथ-साथ अंदर छिपी प्रतिभा को बाहर निकलना है। ये छात्राएं अपनी भावी जीवन में ऐसे अनेक गतिविधियों का एक साथ संचालन कर विद्यालय परिवार व समाज का नाम रोशन कर सकती है।

समर कैंप में विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेकर दिखाई प्रतिभा

भिवानी। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों से जोड़कर सर्वांगीण विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से गांव सांगा स्थित एचएन मॉडल स्कूल में दो दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसका शनिवार को समापन हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने रचनात्मकता, उत्साह और सहभागिता का अनोखा संगम प्रस्तुत किया। समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने कुकिंग विदाऊट फायर, चित्रकला, नृत्य, तैराकी, खेल, योगा, संगीत, अभिनय जैसी विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से न केवल उनके कौशल में निखार आया, बल्कि आत्मविश्वास एवं सामूहिक सहयोग की भावना का भी विकास हुआ। विद्यालय प्राचार्या रजनी खेड़ा ने कहा कि समर कैंप विद्यार्थियों के लिए सीखने और आनंद लेने का एक सुंदर माध्यम है, ये उन्हें पाठ्यपुस्तकों से हटकर जीवन के अन्य जरूरी पहलुओं से भी जोड़ता है। समर कैंप का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को निखारना, उनके व्यक्तित्व का विकास करना और उन्हें शिक्षा के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जोड़ना था। गौरतलब हैं कि दो दिवसीय समर कैंप न केवल छात्रों के लिए मनोरंजन और सीखने का माध्यम बना, बल्कि उनके भीतर छिपी संभावनाओं को सामने लाने का मंच भी सिद्ध हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधनकारिणी समिति सदस्य परमेंद्र मंदेरणा, नरेश सोलंकी, रमेश कुमार मंदेरणा, अनिल फौगाट आदि मौजूद रहे।

वाहनों की गति पर लगे लगाम प्रशासन करें पुख्ता इंतजाम

हनुमान पाराशर | ललित जैन | सतपाल शर्मा | विकास भाकर

- लोगों ने मार्केट में तेज गति से दौड़ रहे वाहनों की स्पीड़ पर ब्रेक लगाने की लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानी खेड़ा

बवानी खेड़ा के हांसी चुंगी से नागरिक अस्पताल तक बाईपास मार्ग का कार्य चल रहा है और ये मार्ग निर्माणाधीन है इसी को लेकर सभी वाहन अंदरूनी मार्ग से निकाले जा रहे हैं। इस मार्ग पर मुख्य मार्किट, रिहायशी बस्ती, धार्मिक स्थल, पर्यटन स्थल शामिल हैं लेकिन वाहनों की स्पीड को देखने पर आदमी अपने कदम वहीं थाम लेता है क्योंकि वाहनों की स्पीड का अंदाजा ही नहीं लगाया जा सकता। इसी को लेकर शहरवासियों ने अपने विचार साझा किए-समाजसेवी एवं वरिष्ठ नागरिक हनुमान पारासर ने बताया कि बवानी खेड़ा के हांसी चुंगी से नागरिक अस्पताल तक बाईपास मार्ग का कार्य चल रहा अच्छी बात है लेकिन वाहनों की दौड़ जो बिचले मार्ग पर लगाई जा रही है सरासर गलत है। विभाग को हाईवे मार्ग शुरू करवाकर फिर इस मार्ग का निर्माण करना चाहिए था। यदि शुरू ही करना था तो ब्रेकरों की व्यवस्था सहित पुलिस प्रशासन की तैनाती की जाती ताकि इन बेलगाम वाहनों पर लगाम लगाते।

भीड़-भाड़ वाला इलाका खतरे से खाली नहीं

गोसेवक सतपाल शर्मा ने बताया कि अंदरूनी मार्ग भीड़भाड़ वाला है और शहीद गुलाब सिंह पार्क के पास दर्जनों रेहड़ियां व सब्जीधारक रोजगार करते हैं, पांव रखने का भी स्थान नहीं होता उपर से वाहनों की स्पीड देखकर ही भय सताने लगता है। वाहन चालकों को प्रशासन को शायद कोई भय नहीं है।

करोड़ों की सड़क पानी में बहेगी: ललित जैन

बिजनेसमैन ललित जैन की मानें तो बीती योजना में इस मार्ग पर करोड़ों खर्च करके सड़क, डिवाइडर, ग्रिल का कार्य हुआ था लेकिन भारी भरकम वाहनों के अत्याधिक लोढ़ के कारण ग्रिल व डिवाइडर क्षतिग्रस्त होते हुए दिख रहे हैं और सड़क भी क्षतिग्रस्त होने से करोड़ों का विकास कार्य पानी में बह जाएगा जिसका बोझ जनता पर पड़ेगा।

ब्रेकरों की जहां जरूरत वहां नहीं बने

कोच विकास भाकर की मानें तो तेज गति से वाहनों पर नकेल कसने के लिए प्रशासन के साथ साथ ब्रेकरों की भी जरूरत है। जहां इनको बनना चाहिए था वहां शायद नहीं बनाया गया। प्रशासन को मुआयना करके जल्द ब्रेकर बनाने चाहिए ।

नंदगांव सरकारी स्कूल से प्राचार्य जयनारायण सेवानिवृत्त, विदाई दी

- मिलनसार और हंसमुख स्वभाव के व्यक्ति हैं सब को बना लेते हैं अपना : शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। प्राचार्य जयनारायण का अभिनंदन करते शिक्षक व ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

नंदगांव के सरकारी स्कूल के प्राचार्य जयनारायण स्वामी 26 वर्ष की सेवाएं देकर आज सेवानिवृत्त हो गए हैं। शिक्षा विभाग में आने से पहले वे आर्मी में रहे। विद्यालय स्टाफ की तरफ से उनके लिए विदाई समारोह का आयोजन किया। प्रवक्ता शिवकुमार शास्त्री ने कहा कि प्राचार्य जयनारायण कर्मठ व ईमानदार किस्म के व्यक्ति रहे हैं जो विद्यालय के हर कार्य को बड़ी संजीदगी के साथ करते थे,वे मिलनसार और हंसमुख स्वभाव के व्यक्ति हैं जो किसी को भी अपना बना लेते हैं।

वे विद्यार्थियों को अच्छे से पढ़ने व पढ़कर उत्कृष्ट श्रेणी में उत्तीर्ण होने के लिए प्रेरित करते थे और उत्कृष्ट श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पारितोषिक दे सम्मानित भी करते थे। इस अवसर पर उनका फूल मालाओं व परंपरागत उपहार भेंट कर, शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया व उनके आगे के जीवन की मंगलकामनाएं की गई। सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र सिंह यादव व उनके साथ आए गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस अवसर उनको शुभकामनाएं दी।

चरखी दादरी। विद्यार्थियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाते विद्यालय निदेशक बलराज फौगाट। फोटो :हरिभूमि

शिवम हेड ब्वॉय व साक्षी चुनी हेड गर्ल बनी

चरखी दादरी। एचडी स्कूल में सदन वर्गीकरण की प्रक्रिया पूर्ण की, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व, सहभागिता, टीम भावना तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास करना है। कार्यक्रम का नेतृत्व उपप्राचार्य नवीन सनसनवाल ने किया। उन्होंने सभी छात्रों को नए सदनों में उनके स्थान के अनुसार शुभकामनाएं दी और उन्हें विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। विद्यालय को चार सदनों में विभाजित किया, जिसमें अग्नि सदन, अंबर सदन, समीर सदन, वसुंधरा सदन बनाया। इसके अतिरिक्त हेड बॉय के रूप में शिवम तथा हेड गर्ल के रूप में साक्षी का चयन किया। चयनित विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा शुभकामनाएं दी एवं उनके उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक बलराज फौगाट ने चयनित विद्यार्थियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई और सभी विद्यार्थियों को ग्रीष्मावकाश की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि ये समय आराम करने के साथ-साथ आत्मविकास के लिए उपयुक्त होता है। उन्होंने छात्रों से ईमानदारीपूर्वक गृहकार्य पूरा करने का आग्रह किया।

धूमधाम से मनी अरूट महाराज की जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

ब्रह्मलीन महंत बाबा सच्चा नाथ के पावन आशीर्वाद से पंजाबी सभा (आदर्श धर्मशाला), चरखी दादरी द्वारा अरोड़ा-खत्री वंश के जनक व संस्थापक सूर्यवंशी अरूट की जयंती प्रधान साहिल चराया के नेतृत्व में बड़े धूमधाम एवं श्रद्धा भाव से मनाई गई।

सर्वप्रथम पंडित घनश्याम दास व अम्बाला गुरुकुल में वेदों की शिक्षा ग्रहण कर रहे नन्हा ऋषि शर्मा द्वारा विधिवत रूप से मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ करवाया गया जिसमें मुख्य यजमान की भूमिका आशा अनिल चुटानी, अंजली अखिल पाहवा, नीलम अनिल ग्रोवर, शिखा आशीष सलूजा, वंदना मोहित गाबा व रेखा रोहित सचदेवा ने निभाई। उसके पश्चात सूर्यवंशी अरूट की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर उन्हें पुष्पांजलि दी गई। अरोड़वंशी झूले लाल, दरियाव देव (देवा जी) के अलावा प्रथम पातशाही श्री गुरु नानक देव जी से गुरु गोबिन्द सिंह जी तक दसों गुरुओं को अपने अग्रज एवं पूजनीय मानते है। जयंती में सानिध्य बाला वाले मंदिर के महंत हरपाल नाथ व सुरेन्द्रपुरी का रहा। रक्तवीर परिवार के संयोजक राजेश सोनी के सहयोग से रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि गण डीएसपी धीरज कुमार, नगर परिषद चेयरमैन बख्शी सैनी आदि मौजूद रहे।

60 विद्यार्थियों ने बोर्ड परिणाम में हासिल की मेरिट

भिवानी। गांव रतेरा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने इस वर्ष कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 100 प्रतिशत सफलता प्राप्त कर क्षेत्र में गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के 60 होनहार विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें प्राचार्य आजाद सिंह एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। समारोह में ग्राम पंचायत के गणमान्य व्यक्ति-सरपंच प्रतिनिधि राजेश कुमार, पूर्व सरपंच चेतन प्रकाश, बीडीसी सदस्य संदीप गढ़वाल, पंच प्रवीण अग्रवाल, समाजसेवी मनवीर, नरेश कुमार, बिजेंद्र सिंह, परहर्ष पाहुजा, राजकुमार धनिया, धनराज शर्मा, अजीत शर्मा तथा एसएमसी प्रधान ने विद्यार्थियों को मेडल एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। समाजशास्त्र विषय में विशेष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को विषय प्रवक्ता अनुकुमार ने स्मृति चिन्ह, डायरी, पेन एवं 301 की राशि प्रदान की। इस अवसर पर स्टाफ सदस्य सुखबीर, बिंदु, अमन, प्रीति, आशा, हरदीप कौर, मनोज, दीपक, हनुमान, मुकेश, अनिल, अजय, सचिन, बजरंग कौशिक व जितेंद्र ने बच्चों को शुभकामनाएं दीं।

ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव व खाली पदों पर शीघ्र पदोन्नतियों पर बनी सहमति

- अन्य मांगों पर फंसा पेंच, पांच जून को डायरेक्टर दफ्तर पर होगा प्रदर्शन : प्रभु सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। निदेशक सैकेंडरी शिक्षा व उपनिदेशक मौलिक शिक्षा हरियाणा के साथ मीटिंग में वार्ता करते कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा शिक्षा विभाग कर्मचारी तालमेल कमेटी संबंद्ध सर्व कर्मचारी संघ के 13 सदसीय प्रतिनिधिमंडल की कन्वीनर प्रभु सिंह की अध्यक्षता में निदेशक सैकेंडरी शिक्षा व उपनिदेशक मौलिक शिक्षा हरियाणा के साथ शिक्षा सदन पंचकूला में देर सांय अढ़ाई घंटे तक वार्ता मीटिंग चली। तालमेल कमेटी की ओर से दलेल राणा, रामपाल शर्मा, मुकेश खरब ने मांगपत्र प्रस्तुत कर कर्मियों की मांगों पर अपना पक्षा रखा।

उन्होंने शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मियों का एक माह के अंतराल पर ट्रांसफर ड्राइव चलाने तथा सभी कैटेगरी की शीघ्र पदोन्नति करने पर सहमति बनी तथा अन्य मांगों पर पेंच फंसा रहा। उन्होंने कहा कि अफसरशाही कोरे आश्वासन देकर आंदोलन को समाप्त करना चाहती है। रेशनेलाइजेशन के नाम पर पदों को समाप्त करने की साजिश, स्कूल मर्जर व पोस्ट कैप्ट कर कर्मियों का शोषण किया जा रहा हैं। शिक्षा विभाग में काम करने वाले कच्चे कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा, आऊटसोर्सिंग, ठेका प्रथा, निजीकरण की नीतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

चार रक्तदाताओं ने निःस्वार्थ भाव से रक्तदान कर बचाई मरीजों की जान

भिवानी। भिवानी के निजी हॉस्पिटल में देर रात्रि गर्भवती महिला को प्रसव के दौरान होल ब्लड की जरूरत पड़ी। परिजनों ने सभी जगहों पर रक्त के लिए प्रयास किया, लेकिन व्यवस्था नहीं बनी। इसके बाद परिजनों ने रक्तवीरों से संपर्क किया तो रक्तदाता सुमित कुमार व शेरसिंह ने ब्लड बैंक पहुंचकर निःस्वार्थ भाव से रक्तदान किया। वहीं अन्य केस में रक्तदाता प्रदीप उर्फ निक्का व भूप सिंह ने ब्लड डोनेट कर मरीज की जान बचाई। इस अवसर पर शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने बताया की रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान करके किसी की जिंदगी बच जाएं, इससे बड़ा पुण्य कोई दूसरा हो ही नहीं सकता, इसीलिए रक्तदान को जीवनदान भी कहा गया है। रक्तवीर राजेश डुडेजा अपनी टीम के साथ भिवानी में रक्तदान की मुहिम चला रहे हैं। युवाओं को स्वेच्छा से रक्त देने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर लेब टेक्नीशियन सतीश कुमार व संदीप कुमार ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

भिवानी। पदक विजेताओं का स्वागत करते अतिथि। फोटो :हरिभूमि

मनन और चिराग ने नेपाल में लहराया परचम

भिवानी। काठमांडु कराटे एकेडमी द्वारा काठमांडु नेपाल में आयोजित 11वी माऊंट एवरेस्ट अंतर-राष्ट्रिय कराटे चैम्पियनशिप 2025 में लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल के छटी कक्षा के मनन सैनी पुत्र नरेन्द्र सैनी ने एक बार फिर से अपनी अद्भुत प्रतिभा का लोहा मनवाया। खिलाड़ियों ने अपने वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए रजत पदक व चिराग सोनी ने अपने वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पदक हासिल कर अपने विद्यालय व अभिभावकों का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एमडी पवन गोयल व भावना गोयल, प्रबंधक सतीश गोयल ने बताया कि नेपाल में आयोजित प्रतियोगिता में 12 देशों से आए प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था। उन्होंने बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए बताया कि दसवी कक्षा की नैन्सी, नौवीं कक्षा की साक्षी व आकाश ने कास्य पदक प्राप्त कर चैम्पियनशिप में विद्यालय का परचम लहराया। इस अवसर पर प्रबंधक रविन्द्र कुमार, निदेशक राम सिंघल, ऐश्वर्या सिंघल, प्राचार्य दीपक जोशी, उपप्राचार्य मनमोहन चावला, कोच पायल, जितेन्द्र आदि मौजूद रहे।

शिखा सांगवान ने पावर लिफ्टिंग में जीता बेस्ट लिफ्टर का खिताब

- शिखा ने अपनी उपलब्धि का श्रेय कोच व अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डर मुकेश गहलोत को दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

चरखी दादरी। शिखा सांगवान को मेडल से सम्मानित करते।

दिल्ली के प्रगति मैदान में 30 मई को आयोजित आईएचएफएफ शैरु क्लासिक पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में गांव अखत्यारपुरा की बेटी शिखा सांगवान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बेस्ट लिफ्टर का खिताब अपने नाम किया।

शिखा ने प्रतियोगिता की डेड लिफ्ट और बेंच प्रेस कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी उपलब्धि हासिल की है। प्रतियोगिता में देशभर से आए अनेक अनुभवी पावर लिफ्टर्स ने भाग लिया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच शिखा ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से शीर्ष स्थान प्राप्त किया। शिखा ने अपनी उपलब्धि का श्रेय कोच व अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डर मुकेश गहलोत को दिया है, जिनके मार्गदर्शन में वह दिल्ली में नियमित व कठिन प्रशिक्षण ले रही है। शिखा के पिता सुरेंद्र सांगवान ने बताया कि शिखा सांगवान की ये उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है । इस अवसर पर द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच भूपेंद्र धवन, भास्कर राजपूत, इंडियन हुक बादल, बॉडी बिल्डिंग गोल्ड मेडलिस्ट हिमांशु शर्मा आदि ने शिखा को बधाई दी।

आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत एवं भक्ति-प्रधान स्वरूप है शोभायात्रा

संस्कार, सेवा और एकता का संदेश देती है शोभायात्रा

- 350 से भी अधिक महिला व पुरुष श्रद्धालुगण मौजूद रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। शोभायात्रा में शामिल स्वामी कृष्णानंद सरस्वती व श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

श्रीश्री 1008 स्वामी भास्करानंद परमहंस की पावन पुण्यस्मृति के उपलक्ष्य में तपोभूमि परमहंस योगाश्रम धाम में साप्ताहितक 30वां वार्षिक महोत्सव का आयोजन सदगुरूदेव महाराज के आर्शीवाद तथा स्वामी कृष्णानंद महाराज के सान्निध्य में किया जा रहा है। महोत्सव के तहत नाम संकीर्तन पदयात्रा, कवि सम्मेलन, रूद्र महायज्ञ, सत्संग-प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव का आगाज शनिवार को नाम संकीर्तन शोभा यात्रा से हुआ। शोभा यात्रा की शुरूआत तपोभूमि योगाश्रम से शुरू हुई, जो कृष्णा कॉलोनी चौक, जगदीश पुत्री पाठशाला, मालगोदाम रोड़ से होते हुए आश्रम में ही संपन्न हुई। इस दौरान 350 से भी अधिक महिला व पुरूष श्रद्धालुगण मौजूद रहे तथा शोभायात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया। स्वामी कृष्णानंद महाराज ने कहा कि शोभायात्रा भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का एक जीवंत और भक्ति-प्रधान स्वरूप है, जो जनमानस को धर्म, संस्कृति और आस्था से जोड़ने का कार्य करती है। शोभायात्रा न केवल धार्मिक परंपरा है, बल्कि जनमानस को आध्यात्मिकता, संस्कार, सेवा और एकता का संदेश देने वाला प्रभावशाली माध्यम है। साप्ताहिक कार्यक्रम की कड़ी में एक जून से 7 जून तक प्रतिदिन सुबह 6:15 बजे से 8:15 बजे तक रूद्र महायज्ञ, एक जून से 3 जून तक सांय 4 से 7 बजे तक नाम संकीर्तन, 2 जून को सांय 4 से 7 बजे तक परमपूज्य महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज सत्संग में प्रवचन देंगे। वहीं 4 से 6 जून तक सांय 4 से 7 बजे तक स्वामी मदनमोहन अलंकार सत्संग में प्रवचन देंगे। सात जून प्रातः रुद्र महायज्ञ की पूर्णाहुति व पूज्य सदगुरुदेव के पूजन के साथ कार्यक्रम विश्राम हो जाएगा।

भिवानी। हस्ताक्षर करतीं एमके अस्पताल की टीम। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। हस्ताक्षर करते हुए वर्धमान ज्वैलर्स के संचालक अन्नत जैन।। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। हस्ताक्षर करते हुए डिजाइनर गगन कोकचा।। फोटो : हरिभूमि

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस: हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप ने जागरूकता अभियान चलाया

तम्बाकू से शुरू होता है मौत का सफर

कॉलेजों में आने वाले वाले विद्यार्थियों ने बैनर पर हस्ताक्षर करके अभियान को बेहतरीन बताया। लोगों को तम्बाकू से होने वाले नुकसानों के बारे में जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शनिवार को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप द्वारा आयोजित व एमके हस्पताल, वर्धमान ज्वैलर्स व गगन कोकचा डिजाइनर द्वारा संयुक्त प्रायोजित कार्यक्रम में लोगों को जागरूक करने के लिए शिविर का आयोजन कर हस्ताक्षर अभियान चलाया। सुबह नौ बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक चलाए गए अभियान के प्रति लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। खासकर विभिन्न जगहों के लिए सफर करने के लिए पहुंचे लोग बैनर पर हस्ताक्षर करने के लिए पहुंचे। कॉलेजों में आने वाले वाले विद्यार्थियों ने बैनर पर हस्ताक्षर करके अभियान को बेहतरीन बताया।

इस दौरान विधायक घनश्याम सर्राफ नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह, एमके हस्पताल के विशेषज्ञों की टीम, वर्धमान ज्वैलर्स अन्नत जैन व गगन कोकचा डिजाइनर से डिजाइनर गगन कोकचा ने बस स्टैंड पर यात्रियों व रोडवेज कर्मचारियों को तम्बाकू का सेवन न करने के प्रति जागरूकता अभियान चलाने की शपथ दिलाई। इनके अलावा शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने वहां पर पहुंचकर हरिभूमि समाचार पत्र के प्रयासों की सराहना की और हरिभूमि की तरफ से चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान में अपनी सहमति जताकर तम्बाकू रूपी जहर(बुराई) से छुटकारा दिलाने का एक सफल प्रयास बताया। विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों का तर्क था कि लोगों में जागरूकता फैलाकर ही इस बुराई को मिटाया जा सकता है। इस मौके पर शिक्षाविद्ध दीवान चंद रहेजा,समाज सेवी देवराज मेहता,वैश्य कॉलेज के प्राचार्य संजय गोयल, चौधरी पैट्रो स्टेशन से हर्षवर्धन ढूल,कुलदीप बेनीवाल, सुनील लेघा,अनिल शर्मा, आजाद सिंह ढांडा, विजय इल्क्ट्रोनिक्स से अमन टूटेजा,दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के निदेशक विनय शर्मा, हमारा अपना फाऊंडेशन से एसके सिंह, बस स्टैंड संस्थान प्रबंधक कुलदीप सिंह, रोडवेज प्रधान अजय शर्मा, प्रदीप दुग्गल, ईश्वर सिंह, छोटूराम, ओमबीर, सुरेश बडेसरा, सोनू प्रजापत, अमित बंसल, प्राचार्य मोहिंद्र सिंह, आदि ने पहुंचकर हस्ताक्षर अभियान में अपना सहयोग दिया।

तम्बाकू का किया प्रयोग, खतम हुआ जिंदगी का संयोग: सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि एक व्यक्ति किसी भी एक व्यक्ति को तम्बाकू की आदत की जकड़न से बाहर निकालने का प्रयास करे। उसको तम्बाकू से होने वाले नुकसानों के प्रति भी जागरूक करें। जो भी उसके सम्पर्क में आए,उस व्यक्ति को भी इससे होने वाले नुकसान से अवगत करवाए। लोगों में जागरूकता फैलाकर ही इस बुराई को समाज में मिटाया जा सकता है। उन्होंने हरिभूमि समाचार पत्र के हस्ताक्षर अभियान को एक सफल प्रयास बताया और कहा कि इस अभियान से भी समाज को फायदा होगा। जो लोग हस्ताक्षर करने तथा शपथ लेकर गए है। वे भी लोगों को इस बारे में थोड़ा बहुत जागरूक करने का प्रयास करेंगे। सभी के प्रयासों से इस अभियान को मुकाम तक पहुंचाया जा सकता है। इस मौके पर उनके साथ सीमा बंसल, पीए ललित चौहान, आनंद तंवर, पार्षद संदीप यादव, पूर्व अन्वेषक सत्यवान, संजय गोयल के अलावा अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

जागरूकता अभियान के लिए आगे आए युवा:गगन

गन कोकचा डिजाइनर के संचालक गगन ने कहा कि किसी अभियान को मुकाम तक जागरूकता फैलाकर ही पहुंचाया जा सकता है। खासकर इस तरह के अभियान में युवाओं का खासा योगदान होता है। उन्होंने हरिभूमि के इस अभियान की सराहना की और कहा कि इस अभियान के लिए हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप के सभी अधिकारी बधाई के पात्र है और उन्होंने भविष्य में इस तरह के अभियान चलाए जाने का आहवान किया।

नशा एक मीठा जहर है, तंबाकू से दूर रहें : यादव

भिवानी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति द्वारा संयुक्त रूप से विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2025 के अवसर पर साप्ताहिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम अपील को उजागर करना: तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना रही। कार्यक्रम का आयोजन विवेकानंद हाई स्कूल में हुआ, जिसकी अध्यक्षता विद्यालय की निदेशक सावित्री यादव ने की तथा संयोजन राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संकल्प दिलाया गया कि वे नशे से दूर रहेंगे और समाज को भी नशे से दूर रखने में सहयोग देंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सावित्री यादव ने कहा कि नशा एक मीठा जहर है, जो धीरे-धीरे शरीर को खोखला कर देता है। उन्होंने कहा क बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, शराब या अन्य नशीले पदार्थ शरीर और समाज दोनों के लिए नुकसानदायक हैं। यदि हम नशे से दूरी बनाएं, तो कैंसर जैसी घातक बीमारियों से बचा जा सकता है। राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि आजकल स्कूल और कॉलेजों के विद्यार्थी भी नशे की चपेट में आ रहे हैं, जो चिंता का विषय है।

जागरूकता से ही बुराई पर चाबुक:भवानी प्रताप

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह नए बस अड्डे पर पहुंचे और हरिभूमि समाचार पत्र की मुहिम का स्वागत किया और कहा कि अच्छी पहल है। लोगों में जागरूकता फैलाकर ही समाज में फैली बुराइयों को मिटाया जा सकता है। इस जागरूकता अभियान के लिए हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप बधाई का पात्र है। क्योंकि लोगों में जागरूकता फैलाने का अच्छा व सफल प्रयास है। क्योंकि बस अड्डे से हजारों लोगों का आवागमन होता है। अभियान से लोगों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि तम्बाकू ऐसा जहर है जो व्यक्ति इसका सेवन करता है। तम्बाकू उस व्यक्ति को मौत की दहलीज तक पहुंचाता है। तम्बाकू का सेवन करने वाला ही नहीं, बल्कि उसके साथ बैठने वाले को भी तम्बाकू प्रभावित करता है।

हरिभूमि के अभियान के सार्थक परिणाम सामने आएंगे : गुप्ता

भिवानी। वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कर अधिवक्ता शिवरतन गुप्ता ने कहा कि नशा नाश की जड़ होता है। अगर बार कोई व्यक्ति किसी भी तरह के नशे की लत में पड़ जाए तो उसका नाश होना तय है। उन्होंने कहा कि तम्बाकू एक ऐसा धीमा जहर है। जिसको एक बार लत पड़ जाए तो तम्बाकू का नशा मौत की दहलीज पर पहुंचा देता है।

इस बुराई को जागरूकता फैलाकर ही लोगों को छुटकारा दिलाया जा सकता है। उन्होंने नए बस स्टैंड पर आयोजित हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप की तम्बाकू निषेध दिवस पर हस्ताक्षर अभियान की पहल की सराहना की और कहा कि इस अभियान के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। साथ ही लोगों को भी इस बुराई को मिटाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान के सकारात्क परिणाम सामने आएंगे।

भिवानी। हस्ताक्षर करते हुए समाज सेवी हर्षवर्धन, सुनील, कुलदीप,अनिल व मोहिंद्र।

भिवानी। जागरूकता अभियान चलाने की शपथ लेते विद्यार्थी।

भिवानी। हरिभूमि समाचार पत्र द्वारा आयोजित हस्ताक्षर अभियान के तहत हस्ताक्षर करते हुए डीब्ल्यूपीएस के प्राचार्य विनय शर्मा। फोटो : हरिभूमि

नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ चलाया जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के तत्वावधान में भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों के सहयोग से विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नशामुक्त जागरूकता अभियान का आयोजन किया। अभियान का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू एवं नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी व संस्था पर्यावरण रक्षक जेई बिजेश जावला ने युवाओं को कहा कि नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो– यह केवल नारा नहीं, एक जीवनमंत्र है।

उन्होंने नशे से न केवल व्यक्ति स्वयं बर्बाद होता है, बल्कि उसका परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ी भी प्रभावित होती है, इसलिए कोई व्यक्ति नशा छोड़ता है, तो वह केवल खुद को नहीं, बल्कि पूरे समाज को बचाने

का कार्य करता है। पार्षद विनोद प्रजापति व संदीप तोमर ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, जैसे हम पर्यावरण की रक्षा करते हैं, वैसे ही अपने शरीर और मानसिक स्वास्थ्य की भी रक्षा करना आवश्यक है। नशे से दूरी ही असली स्वच्छता है उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि युवाओं को चाहिए कि वे तंबाकू और नशे से दूर रहें और अपने क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी जागरूक करें। समाज की असली शक्ति युवा हैं और उनकी जागरूकता ही भविष्य को उज्ज्वल बनाएगी।

नागरिकों को दिलवाई तंबाकू से बने उत्पादों का प्रयोग न करने की शपथ

भिवानी। विश्व तबाकू निषेध दिवस पर शनिवार को ढाढरी गेट स्थित आंबेडकर भवन में महात्मा ज्योतिबा फूल धर्मार्थ ट्रस्ट एवं शहीद-ए-आजम वीर उधम सिंह प्रदेश महासभा ने संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। पर्यावरण प्रहरी विजय सिंहमार ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत करवाते हुए तंबाकू से बने उत्पादों का प्रयोग नहीं करने की शपथ दिलवाई। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष सैनी एवं शहीद-ए-आजम वीर उधम सिंह प्रदेश महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजू मेहरा ने कहा कि नागरिकों को नशे के दुष्प्रभाव बताने के उद्देश्य से यह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसके तहत नागरिको को नशे से दूर रहने बारे जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तंबाकू से बने उत्पादों के द्वारा धूम्रपान करने से कैंसर, हृदय रोग, डायबिटीज होने की संभावना रहती है, जिससे व्यक्ति न केवल आर्थिक, बल्कि शारीरिक नुकसान भी करता है, इसलिए हमें राष्ट्र की तरक्की के लिए नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की आवश्यकता है।

ढाणी हनुमान स्कूल में विश्व तंबाकू दिवस पर बच्चों ने बनाए स्लोगन

भिवानी। ढाणी हनुमान स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्या सुनीता सैनी के नेतृत्व में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया। इस मौके पर तंबाकू से मानव शरीर पर होने वाले नुकसान को दिखाते हुए बच्चों ने स्लोगन बनाए। प्रोमिला डीपीई ने बताया कि डब्ल्यूएचओ द्वारा हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन किया जाता हैं। उन्होंने तंबाकू का प्रयोग करने से फेफड़े, स्वरतंत्र, मुंह, ग्रासनली, गला, गुर्दे व यकृत आदि प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार तंबाकू के सेवन से प्रति वर्ष विश्व में एक करोड़ व्यक्तियों की मृत्यु होती हैं, इसलिए सार्वजनिक जागरूकता के लिए हमें युवा पीढ़ी को तंबाकू से शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव को बताना चाहिए।

भिवानी। आयोजित हस्ताक्षर अभियान के तहत हस्ताक्षर करते हुए हस्ताक्षर के बाद उपस्थित विभिन्न समाज सेवी। फोटो : हरिभूमि

मार्केट न्यूज

तनिष्क भिवानी में एलान कलेक्शन का भव्य शुभारंभ एवं डायमंड अवेयरनेस सेशन का आयोजन

भिवानी। तनिष्क भिवानी, हांसी गेट, भिवानी में आज Elan Collection का भव्य शुभारंभ किया गया। इस विशेष अवसर पर ग्राहकों के लिए Diamond Awareness Session (DAS) का भी आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें डायमंड की गुणवत्ता, कट, क्वालिटी और वैल्यू से जुड़ी अहम जानकारियां दी गईं। इस आयोजन की खास बात रही –एक शानदार फोटोशूट, जिसमें मेहमानों के खूबसूरत पलों को कैमरे में कैद किया गया। ग्राहकों को डायमंड अवेयरनेस सेशन के माध्यम से विशेष ज्ञान प्रदान किया गया। मेहमानों ने Elan कलेक्शन की शानदार ज्वेलरी पहनकर रैंप वॉक में भाग लिया और शो को चार चांद लगा दिए। हल्के-फुल्के गेम्स, म्यूज़िक और स्नैक्स के साथ पूरा माहौल उल्लास और उत्साह से भर गया। तनिष्क भिवानी की यह पहल न केवल नए कलेक्शन को प्रस्तुत करने का जरिया रही।

मेडिटेशन राजयोग तंबाकू व नशामुक्ति की रामबाण औषधि: नीलम

मात्र एक सिगरेट के सेवन से जिंदगी के छह मिनट हो जाते कम: बीके ज्योति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

एक सिगरेट के सेवन से छह मिनट जीवन की आयु कम होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रतिदिन तंबाकू या धूम्रपान के सेवन से ढाई से तीन हजार तक मौत होती है जो चिंता का विषय है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की झोझूकलां शाखा के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय वमा विद्यालय रामबास व गंगाराम ममोरियल स्कूल पिचोपा खुर्द में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि तंबाकू में मादकता या उत्तेजना देने वालीं घातक निकोटीन के साथ अन्य बहुत से कैंसर

उत्पन्न करने वाले तत्व पाए जाते हैं। ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन एक ऐसी पद्धति है कला है जिसमें अपने विचारों को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं व अनेक प्रकार के व्यसनों से मुक्त होने में मदद मिलती है। ब्रह्माकुमारी नीलम बहन ने कहा कि तंबाकू का सेवन व्यक्ति की जीवन शक्ति को धीरे-धीरे कमजोर करता हुआ मृत्यु द्वार पर ले जाता है। राजकीय वमा विद्यालय रामबास के प्राचार्य यशपाल यादव ने कहा कि युवा पीढ़ी को तंबाकू व मोबाइल के नशे से बचना चाहिए, तभी हम राष्ट्र निर्माण कर सकते हैं। पिचौपा खुर्द स्कूल के प्राचार्य नरेंद्र सांगवान ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था में सिखाए जाने वाले मेडिटेशन से मन को मजबूत बना नशामुक्त जीवन बना सकते है।

ब्रह्माकुमारी रितु व अनुज बहन ने सभी विद्यार्थियों को तंबाकू छोड़ने नशा मुक्त रहने नैतिकता अपनाने की शपथ दिलाई। रामबास सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर प्रवक्ता ललित भारद्वाज, राजेश, पवन शर्मा सुनील कुमार बिजेंदर कविता आदि उपस्थित थे।

डॉ. आर. पी. शर्मा
अस्पताल
सिविल अस्पताल से रिटायर्ड सीनियर सर्जन
सभी आप्रेशन एवं
नार्मल डिलीवरी
सबसे सस्ते रेट में किए जाते हैं।
सभी आप्रेशन बिना टाँके के भी किए जाते हैं।
कॉपर-टी की सुविधा उपलब्ध है।
गर्भवती महिलाओं के लिए
OPD फीस फ्री
पता : मिनी बाईपास रोड़,
CR Resort के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र :
9416296903, 8168362612

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 1 जून 2025

प्रदूषण की भयावह होती वैश्विक समस्या और बढ़ते तापमान से मुक्ति पाने का सबसे कारगर उपाय है कि हम ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की दिशा में कारगर कदम बढ़ाएं। हालांकि इस दिशा में भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ठोस पहल और जन सामान्य की भागीदारी से देश-दुनिया को हरा-भरा बना सकते हैं, भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।

विशेषः विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून

तपते शहरों में ऐसे बढ़ेगा
ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर

{ कवर स्टोरी / अपराजिता }

आगामी 5 जून 2025 को जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाएंगे, तो हमारे देश के कई बड़े शहर तप रहे होंगे। दिल्ली हो या जयपुर, नागपुर हो या हैदराबाद। देश के कई शहर गर्मियों में तपते द्वीपों में बदल चुके हैं। सिर्फ हम अपने देश के शहरों की ही बात क्यों करें? लाहौर, बीजिंग, न्यूयॉर्क, टोक्यो और दुबई की भी आज की तारीख में यही स्थिति है। सवाल है, इन शहरों में फिर से जीवन को चैन और आराम देने वाली ठंडक कैसे मिले? कंक्रीट के हमारे जंगल, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे बदलें?

क्या है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चरः ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का मतलब है, ऐसे डिजाइन और ऐसी व्यवस्थाएं, जो प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करें। ये पार्क, छतों पर बागवानी, हरित दीवारों, वर्षा जल संरक्षण, शहरी जंगल, जैविक नालियां, ग्रीन कॉरीडोर और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी सम्मिलित संरचनाओं का नाम है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य और शहरों को अधिक टिकाऊ बनाता है।

बिगड़ते पर्यावरण की वजहेंः आजकल जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण भारत ही नहीं दुनिया भर के ज्यादातर शहर, गर्मी से जल रहे हैं। शहरों में अर्बन हीट, आइलैंड इफेक्ट जोर-शोर से देखा जा रहा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और प्लास्टिक की अधिकता, जमीन की नमी सोख रही है, जिससे तापमान बढ़ रहा है। यही नहीं जो शहर पहले छायादार पेड़ों की कतारों के हिस्से हुआ करते थे, अब उन शहरों में बड़े-बड़े पेड़ों को काट कर सड़कों का विस्तार और नए-नए मॉल्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हमारे पारंपरिक शहरों का ग्रीन आवरण लगातार घट रहा है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है और जल प्रबंधन की विफलता भी हमारे सामने है। शहरों में अंधाधुंध ढंग से बढ़ रहे वाहन, फैक्ट्रियां और कूलिंग सिस्टम से निकलने वाली गैसें, लगातार हमारे शहरों के तापमान बढ़ा रही हैं। दूसरी तरफ अंधाधुंध रिहाईशी ढांचे खड़े कर देने के कारण बारिश का जल बह कर निकल जाता है। धरती में वापस नहीं जा पाता, जिससे न सिर्फ सूखे बल्कि बाढ़ की समस्या भी इससे बढ़ रही है।

बढ़ रही है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरतः बिगड़ते पर्यावरण की वजह से ही विश्व स्तर पर ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की खासी जरूरत बढ़ी है। आज ज्यादातर नगर योजनाकार बार-बार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत पर बल देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि 2050 तक दुनिया की करीब 70 फीसदी आबादी शहरों में रह रही होगी और तब आज से कहीं ज्यादा पर्यावरणीय दबाव होगा। साल 2023 की आईपीसीसी रिपोर्ट कहती है, यदि शहरों में हरित क्षेत्र 30 प्रतिशत बढ़ा दिया जाए तो दुनिया के औसतन तापमान में 2 डिग्री सेंटीग्रेड की कमी आ जाएगी। पेरिस, सियोल, मेलबर्न और कोपनहेगन जैसे शहर अब हर नई परियोजना को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में तब्दील कर रहे हैं।

इस दिशा की चुनौतियांः भारत में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमारी स्थानीय शहरी निकायों के पास इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। साथ ही हमारे नगर निकायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की भी कमी है। इसलिए हमारे शहर चाहकर भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को फिलहाल नहीं बढ़ा पा रहे हैं, क्योंकि आम लोग इसे अतिरिक्त खर्च वाला समझते हैं। यही कारण है कि अब बड़े पैमाने पर ऐसी योजनाएं और स्मार्ट सिटी मिशन उभर कर सामने आ रहे हैं, जिनमें ग्रीन कॉरीडोर, अर्बन फॉरेस्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। शहरों में कृषि और टेरेस गार्डेनिंग का बढ़ावा भी इसी के चलते हो रहा है। तमाम नए स्टार्टअप यह कर रहे हैं। सीएसआर और ईएसजी की फंडिंग से निजी कंपनियां आजकल हरित परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के तरीकेः ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी शहरी विकास योजनाओं में ग्रीन बजट को अनिवार्य किया जाए। साथ ही बिल्डिंग बाई लॉज में छत पर गार्डेनिंग, वर्षा जल संग्रहण जैसी अनिवार्य योजनाओं को लागू किया जाए। अब जरूरी हो गया है कि शहरी खेती और कम्युनिटी गार्डेनिंग को अनिवार्य किया जाए। हर मुहल्ले में सामूहिक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं, नगर निगम स्थानीय सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दें, इसके लिए सब्सिडी और बेहतर ट्रेनिंग का सहारा लिया जाए। शहरी घरों की छतों और दीवारों को ज्यादा से ज्यादा हरा किया जाए। इसकी सबसे पहली शुरुआत सरकारी भवनों, विभिन्न सरकारी इमारतों और शहरी विभागों से किया जाए। निजी फ्लैट और कॉम्प्लेक्स में भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के टैक्स में छूट दी जाए ताकि लोग ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ आकर्षित हों। शहर की हर इमारत में ग्रीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया जाए, साथ ही बरसाती नालियों को पुनः डिजाइन करके उन्हें जैविक जल निकासी प्रणाली में बदला जाए।

ये उपाय भी होंगे कारगरः बड़े पैमाने पर शहरों का ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर तभी विकसित हो सकता है, जब ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी इसकी ट्रेनिंग, जैसे लैंडस्केपिंग, वर्टिकल गार्डेनिंग जैसी तकनीकों में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। युवाओं को ग्रीन अंबेस्डर बनाकर स्कूल, कॉलेज से ही इस दिशा में उन्हें पर्यावरण हितैषी के रूप में बड़ा किया जाए। शहरों में यदि ग्रीन कैप बढ़ेगा, तो लोग उनके फायदों से भी वाकिफ होंगे और ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रीन मैप एप्स के कल्चर को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीन कवर एरिया को स्टेटस सिंबल बनाया जाए। इसके लिए एआई और सैटेलाइट तकनीक से इनकी रक्षा और निगरानी भी किया जाना जरूरी है।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने से न केवल हमारी धरती को फिर से हरी-भरी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी को उस दहकती हुई गर्मी से छुटकारा मिलेगा, जो आज शहरी जीवन का बड़ा अभिशाप बन चुका है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस पर गंभीरता से सिर्फ सोचा ही न जाए, सिर्फ बहस ही न हो बल्कि इसमें अमल किए जाने की प्रक्रिया तेजी से बढ़े। *

जो मानसून हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में भारत में प्रवेश करता था, इस बार मई के अंतिम सप्ताह से पहले ही आ गया। ऐसा होने के पीछे किस तरह के कारण जिम्मेदार हैं और इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

समय से पहले आया मानसून !

{ बदलाव / रजनी अरोड़ा }

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल मानसून की रफ्तार इतनी तेज है कि करीब 2 सप्ताह पहले ही देश में एंट्री हो गई है। समय से पहले आए मानसून से हालांकि जन-मानस को गर्मी की तपिश से राहत पहुंची है, लेकिन पर्याप्त तैयारी के अभाव में कई शहर जल भराव की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

परेशानी या वरदानः मानसून का जल्दी आना, सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं बल्कि हमारे पर्यावरण और जलवायु में हो रहे बड़े बदलावों का भी संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान और समुद्री परिस्थितियों के मिले-जुले प्रभाव का नतीजा है। समुद्री सतह के तापमान के अनुकूल बदलाव पड़ा है। समुद्र का टेंपरेचर सामान्य से ज्यादा रहा, जिसके कारण मानसूनी पश्चिमी हवाएं तेजी से सक्रिय हो गईं।

चिंता का कारणः मानसून का जल्दी आना हालांकि कृषि, वाणिज्य जैसे क्षेत्रों के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन इसके अनियमित-बिगड़ते पैटर्न से बाढ़, लैंडस्लाइड, जलजनित बीमारियां, महामारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी हो सकता है।

जल्दी आने के कारणः देश में मानसून के जल्दी आने को मौसम-वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग का असर मान रहे हैं। जिसके प्रति हमें सजग होना और समुचित कदम उठाने जरूरी हैं।

लानीना और अलनीनो का प्रभावः यह प्रशांत महासागर के तापमान से जुड़ा सिस्टम है। जब प्रशांत महासागर का तापमान ज्यादा गर्म हो जाता है तो उसे अलनीनो कहते हैं, जो भारत के मानसून को कमजोर कर देता है। जब महासागर ठंडा होता है तो वह लानीना कहलाता है, जो मानसून को मजबूत करता है। चूंकि इस साल न ज्यादा गर्मी है और न ज्यादा ठंडक है। यानी ईएनएसओ न्यूट्रल है और यही हालात भारत के मानसून के लिए फायदेमंद है।

इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव होनाः कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि आईओडी अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसून की हवाएं तेज होती हैं और यह मानसून के जल्दी आने का कारण भी बनता है। तो कुछ वैज्ञानिक इसे भारतीय महासागर के पश्चिमी हिस्से यानी अफ्रीका की तरफ और पूर्वी हिस्से यानी इंडोनेशिया की तरफ पानी का तापमान से जोड़ते हैं। वस्तुतः इनके तापमान में फर्क मिलता है। अगर पश्चिमी हिस्सा गर्म होता है और पूर्वी हिस्सा ठंडा तो यह पॉजिटिव आईओडी कहलाता है। यह मानसून के लिए अच्छा होता है यानी बादल बनने, बारिश बढ़ाने में मदद करता है। जबकि इसके विपरीत यानी पश्चिम हिस्सा ठंडा और पूर्वी हिस्सा गर्म हो तो यह नेगेटिव आईओडी कहलाता है और यह मानसून को रोकता है। 2025 में अभी आईओडी भी न्यूट्रल है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त-सितंबर तक यह हल्का पॉजिटिव हो सकता है, जो मानसून को और बढ़ा सकता है।

जेट स्ट्रीम में बदलावः मानसून की हवाएं यानी ऊपरी स्तर की हवाओं में बदलाव से भूमध्य रेखा के ऊपर से हवाएं तेजी से भारत की ओर चलती हैं, जिससे नमी से भरी हवाएं पहले पहुंचकर मानसून जल्दी ले आती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोमाली जेट हवाएं मॉरीशिस और मेडागास्कर से उठती हैं। जो सीधे अरब सागर से होते हुए भारत के पश्चिमी तट यानी केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र तक आती हैं। 2025 में ये हवाएं असामान्य रूप से तेज हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से बदला मानसून पैटर्नः ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण और महासागरों का तापमान लगातार बदल रहा है। यह बदलाव मानसून के समय और तीव्रता को सीधे प्रभावित करता है। इससे उसका चक्र बदल जाता है। इसके अलावा बीते मई महीने में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में भारी नमी देखी गई, जिससे बादलों को बनने में ज्यादा देर नहीं लगी। इसके साथ कर्नाटक-गोवा तट के पास बने साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से मानसून जल्दी आ गया। *

मानसून के प्रकारः भारतीय मानसून उन हवाओं को कहते हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने के कारण बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में नमी के बढ़ने से सक्रिय हो जाती हैं। ये हवाएं दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व की ओर चलती हैं और ठंड के दिनों में विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। इसके आधार पर भारत में मानसून मूलतया दो तरह के होते हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून (जून से सितंबर तक) ये मानसूनी हवाएं भारत में सामान्यतया एक जून को सबसे पहले केरल में प्रवेश करती हैं और वहां बारिश करती हैं। इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तर दिशा में बढ़ता है। फिर जून का अंत तक आते-आते यह देश के ज्यादातर हिस्सों पर छा जाती हैं। उत्तर-पूर्वी मानसून, ऋतु-परिवर्तन होने पर ये हवाएं विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। ये हवाएं आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर माह तक वापस चली जाती हैं।

भारतीयता के मूल में निहित
पर्यावरण संरक्षण

{ चिंतन / यशवंत कोठारी }

भारतीय संस्कृति या कहें भारतीयता में प्रारंभ से ही पर्यावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारी संस्कृति में वृक्ष, पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों को देवता माना गया है। पवित्र और देवतुल्य वृक्षों की प्राचीन परंपरा भारतीयता के साथ गुंथी हुई है। वास्तव में भारतीयता किसी व्यक्ति विशेष से नहीं प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक चेतना और विरासत से जुड़ी हुई है। तमाम विविधताओं के बावजूद भारतीयता के रक्षकों, पोषकों ने वृक्षों को पूजने की, उन्हें आदर देने की एक ऐसी परंपरा आरंभ की, जो भारतीयता में रच-बस गई है। वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए हमारी संस्कृति में अनेक परंपराएं और प्रथाएं विकसित की गईं जो वृक्षों, पर्यावरण, संस्कृति, सुहाग, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान आदि से जोड़ दी गईं। ये सभी चीजें कालांतर में भारतीयता का पोषण करने वाली सिद्ध हुईं।

पेड़-पौधों की करते हैं पूजाः देश के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में विवाह के समय वर-वधु एक पौधा लगाते हैं। माना जाता है कि जैसे-जैसे वृक्ष हरा-भरा होकर विकसित होता है, दांपत्य जीवन में भी सुख और संपन्नता बढ़ती जाती है। बड़ के पेड़ को सुहाग प्रदान करने वाला माना गया है। उत्तर भारत में वट वृक्ष की पूजा का त्योहार मनाया जाता हे। पीपल के वृक्ष पर भगवान विष्णु का वास माना जाता है। पलाश के वृक्ष के नीचे शीतला माता का वास माना गया है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, केला आदि कई पौधों की पूजा-अर्चना का विधान भारतीय संस्कृति में मौजूद है। यह भारतीयता का एक मोहक रूप है। पीपल के वृक्ष को रामायण में भी मान्यता दी गई है। तुलसी की पवित्रता, औषधीय उपयोगों और महत्व के बारे में कई प्राचीन पुस्तकों में वर्णन मिलता है।

इससे सिद्ध होता है कि भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे को कितना महत्वपूर्ण पौधा माना जाता रहा है। भारतीयता की अनेक विविधताओं के बावजूद वृक्षों का संरक्षण, उनकी पूजा-अर्चना का विधान है।

भारतीयता का अरण्य उत्सवः वृक्षों के प्रति हमारी यह श्रद्धा अनादिकाल से चली आ रही है। अरण्ये ते पृथिवि स्योनमस्तु। अर्थात हे पृथ्वीमाता, तुम्हारे जंगल, हमें आनंद, उत्साह से भर दें। यही श्रद्धा और आदर का भाव बार-बार हमें भारतीयता की मूल भावना से भी जोड़ता है। भारतीयता, जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई है। भारतीयता यानी हरी-भरी वसुंधरा, हरियाली से सजे वनप्रदेश, कामदेव का वसंत, चटकते फूल, श्रृंगार से ओत-प्रोत वन, मादक गंधयुक्त समीर, आजादी से उड़ते पक्षी, कोयल की मीठी वाणी, कुंलाचें भरते हिरण, नाचते मोर, झरने, झीलें, कलकल करती नदियां, ये सभी सुंदर पर्यावरण बनाते हैं और बनाते है भारतीयता का एक संपूर्ण फलक। फलक में उपस्थित होते हैं अनेक प्रकार के रंग। प्रकृति का यह उत्सव भारतीयता का मौलिक स्वरूप है। शायद ही विश्व के अन्य किसी भाग या देश की संस्कृति में पर्यावरण को इतना महत्वपूर्ण माना गया है।

हम समझें अपने दायित्वः प्राचीन काल में हुए हमारे ऋषि-मुनियों ने भारतीयता की महक से परिपूर्ण पर्यावरण की कल्पना की थी। यदि किसी वृक्ष को काटना बहुत ही जरूरी हो जाता तो वृक्ष पर रहने वाले पशु-पक्षियों से क्षमा याचना कर मंत्र पढ़ कर सर्वजनहिताय वृक्ष को काटा जाता था। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने, उसे पूर्ण रूप से प्रकृति के अनुकूल रखने तथा विकास के साथ एक तादात्म्य और सामंजस्य रखने की प्रेरणा भारतीयता देती है। प्राचीन शास्त्र, साहित्य, संस्कृति, कला जो कुछ भी इस भारत भूमि पर विद्यमान रहा वह सब भारतीयता से परिपूर्ण है और यही बात प्रकृति, पर्यावरण तथा वातावरण पर भी लागू होती है। यह बेहद खेद का विषय है कि भौतिकवादी उपभोक्ता संस्कृति ने सभी प्राचीन भारतीय मूल्यों को नष्ट कर दिया है। प्रकृति के संरक्षण की बात कोई नहीं करना चाहता है। लेकिन हम सब कभी न भूलें कि अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए भी पेड़-पौधों को लगाना, उनका संरक्षण करना, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों की रक्षा सब कुछ हमारा नैतिक दायित्व है, भारतीयता का कर्तव्य है। अगर हम इस कर्तव्य को पूरा कर सकें तो एक शस्य श्यामला हरित भूमि हमारे चारों ओर मुस्कुराएगी। *

{ कविता / अलका सोनी }

नदी सबको देती है

नदी सबको देती है
बहुत कुछ...
जल, जंगल, जमीन
मछलियां, सूर्य को
अर्घ्य देने की जगह।
उसी तरह उसने
मुझे भी बहुत कुछ दिया
लेकिन मैंने देर से
देखा और समझा यह सब।
तब आश्चर्य हुआ कि
वो तब भी देती रहती है
जब हम नहीं जानते
उसका देते जाना।
यह सब देख
मन में आने लगती है
बस एक ही बात कि
नदी जो सबको देती है
कुछ न कुछ
बदले में पाती है
उसे नहीं समझे
जाने की
कई वजहें।

{ लघुकथाएं }

मेरे नाम का पेड़

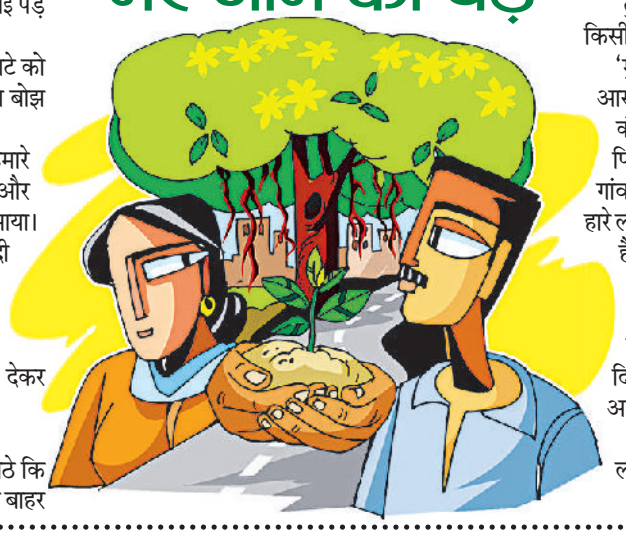

उसने मेरी बात काटते हुए अचानक पूछा, 'यह बताइए, क्या आपने अपने जीवन में कोई पेड़ लगाया है?'

मैंने सिर पर हाथ फेरा, बगलें झांकीं, तभी सन्नाटे को चीरती उसकी आवाज आई, 'आठ मन लकड़ी का बोझ सिर पर उधार लेकर जाओगे ऊपर?'

'तुमने जो इतने सारे पेड़ लगा रखे हैं। एक हमारे नाम का भी लगा दो।' मैंने बचना चाहा। वह मुझे और जलील न करे इसलिए मैंने बात घुमाई, 'अरे याद आया। एक बरगद के पेड़ की पौध तुमने मेरे नाम से खरीदी थी, उसका क्या हुआ?'

वह कुछ आश्चर्य से बोली, 'अब पंद्रह साल बाद तुम्हें उसकी याद आ रही है?'

'आखिर बताओ तो हुआ क्या था?' मैंने जोर देकर पूछा। 'उसकी तो कहानी हो गई थी।' वह बोली।

'हुआ क्या था?' मुझे उत्सुकता हुई।

'वो पापा की नजर उस पौधे पर पड़ी तो पूछ बैठे कि तो तुम ले ही आईं बरगद। चलो, मैं इसे अभी गांव के बाहर मेन रोड पर रोप देता हूं।' उसने कहानी बताई।

'तुमने कहा नहीं कि यह मेरे नाम का पेड़ है, किसी की अमानत है।' मैंने कहा।

'मुगले आजम के सामने मुंह खोलना इतना आसान था क्या? वो तो सीधे चिनवा देते।' वह कंधे उचका कर बोली। थोड़ी देर खामोशी रही फिर उसने धीरे से कहा, 'सच बताऊं, जब भी मैं गांव जाती हूं और इंट्री पर वह बरगद का पेड़ थके-हारे लोगों को अपने साए की आगोश में समेटे दिखता है तो मैं कार रुकवा कर पेड़ देर तक निहारती हूं। किसी ने यात्रियों की सेवा के लिए एक चाय-पान की गुमटी भी डाल ली है। प्रधान जी ने गर्मी में प्यासों के वास्ते एक हैंडपंप भी लगवा दिया है। किसी दिन आप भी मेरे साथ चलिए, आपको पेड़ देखकर बहुत खुशी होगी।'

मैं सोचने लगा कि मरने के बाद बरगद की लकड़ी से जलाया जाता है कि नहीं? *

-प्रेमेंद्र श्रीवास्तव

विज्ञापन

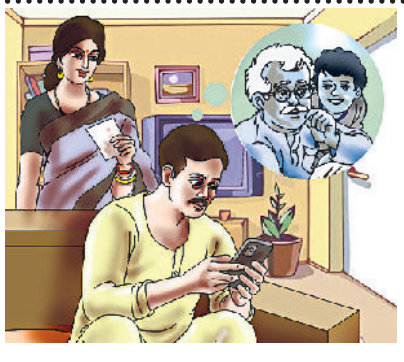

एक व्यक्ति ने अखबार में विज्ञापन छपवाया, 'पांच साल का यह लड़का, जिसकी फोटो दी जा रही है, कल शाम से घर से लापता है। किसी को यह बच्चा दिखाई दे या मिले तो दिए गए फोन नंबर पर सूचित करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।'

दूसरे दिन ही उस व्यक्ति के फोन की घंटी बजी। आवाज आई, 'आपने अखबार में बच्चे की गुमशुदगी का विज्ञापन दिया है। उसी के संबंध में बताना चाहता हूं कि आपका बच्चा कल से मेरे पास है, आप तुरंत आकर ले जाएं।' 'आप कौन बोल रहे हैं और कहां से बोल रहे हैं?' व्यक्ति ने जल्दी से पूछा।

'मैं सुखद वृद्धाश्रम से रघुबीर बोल रहा हूं...।' जवाब मिला।

यह सुनकर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा, 'गुड्डू मिल गया है, वह वृद्धाश्रम में अपने दादा जी के पास है।' *

-गोविंद भारद्वाज

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम का साहित्यिक प्रवाह

नवोदित प्रवाह पत्रिका का वार्षिकांक प्रेम विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक नामचीन और नवोदित लेखकों की रचनाशीलता से भरा-पूरा है। यहां संकलित रचनाओं के द्वारा प्रेम के मनोवैज्ञानिक विवेचन, उसके दार्शनिक पहलू, उसकी ऐंद्रिक व्याख्या और उसकी आत्मानुभूति के अलग-अलग आयामों से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो इस अंक में प्रेम पर अच्छी कहानियां, लघुकथाएं, समीक्षाएं और लेख पठनीय हैं ही, लेकिन खासतौर पर काव्य खंड बहुत ही समृद्ध है। इसमें प्रेमाधारित कई बेहतरीन कविताएं, गजलें, दोहे और गीत पाठक को प्रेमरस से सराबोर कर देते हैं। लाजवाब गीत और गजल खंड के अलावा कविता खंड में आलोक धन्वा, अच्युतानंद मिश्रा, अल्पना सिंह और आरती आस्था की कविताएं मन में ठहर जाती हैं।

विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखी गई प्रेम कविताओं के अनुवाद ने इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। कृष्ण बिहारी, जितेन ठाकुर और रेणु हुसैन की कहानियां विशेष रूप से पठनीय हैं तो प्रेम पर अलग-अलग कोणों से लिखे गए लेखों में प्रेम की शाश्वतता को सलीके से व्यक्त किया गया है। *

पत्रिकाः नवोदित प्रवाह (वार्षिक पहल 2025-प्रेम विशेष), **प्रधान संपादकः** रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्यः** 100 रुपए, **संपादकीय कार्यालयः** देहरादून, उत्तराखंड

इन गर्मी की छुट्टियों को बिताने के लिए अगर आप किसी प्राकृतिक, शांत, सुरम्य स्थान पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां आपको ऐतिहासिक मंदिर, प्राकृतिक झीलों के साथ-साथ कई मनोरम नजारे देखने को मिलेंगे।

प्राकृतिक सौंदर्य-आध्यात्मिक सुकून का संगम माउंट आबू

सैर-सपाटा

अंशु सिंह

प्राकृतिक सुंदरता और अध्यात्म का अनुपम संगम स्थल है राजस्थान का हिल स्टेशन माउंट आबू। मरुस्थल की वीरानियत में एक शीतल तपोभूमि, जहां बिखरी है अरावली की हरियाली। फैला है, नक्की झील का अप्रतिम सौंदर्य। प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन, जिसका कण-कण कर लेता है सम्मोहित। गर्मी हो, सर्दी या हो बरसात, माउंट आबू में हर मौसम का है अपना अलग आनंद...।

अरावली के मध्य बसा: अरावली पर्वत श्रंखला के मध्य में बसे माउंट आबू में प्रकृति का जनमानस के साथ कुछ ऐसा सामंजस्य स्थापित है कि 'अद्भुत' के अतिरिक्त अन्य शब्द नहीं सूझता। यहां के वायुमंडल में ही पसरी है सुकून और शांति। मौसम का ताप भी मनोनुकूल नर्म है। रेगिस्तानी राज्य के अन्य हिस्सों की तरह गर्म नहीं है यह स्थान। आखिरकार, प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन जो है। सिरोही जिले में स्थित इस पठारी क्षेत्र को कुदरत ने नदी, झील, झरने सभी की सौगात दे रखी है। यह प्रदेश का सिरमौर है, जिसे भारत ही नहीं, संसार की प्राचीनतम पर्वत श्रंखलाओं में से एक अरावली, उत्तर से दक्षिण दो हिस्सों में विभाजित करती है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरणीय दृष्टिकोण से इसे संवेदनशील क्षेत्र भी घोषित कर रखा है।

भारत की आध्यात्मिक भूमि: माउंट आबू ऐतिहासिक काल से ही अलग-अलग धर्मावलंबियों की कर्मभूमि और तपोभूमि रहा है। आज भी यह स्थान हिंदू और जैन धर्मावलंबियों का पवित्र तीर्थस्थल है। कथानुसार, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर माउंट आबू आए थे, जिसके बाद से यह जैन अनुयायियों का विशेष तीर्थस्थान बन गया है। माउंट आबू का प्राचीन नाम अर्बुदांचल है। पुराणों में इसका उल्लेख अर्बुदा अरण्य (अर्थात अर्बुदा के वन) के नाम से भी मिलता है। बाद में यही 'अर्बुदा', 'आबू' में परिवर्तित हो गया। ऐसी मान्यता है कि ऋषि वशिष्ठ का जब विश्वामित्र से मतभेद हो गया था, तब वे माउंट आबू के दक्षिणी भाग में आकर बस गए थे। उन्होंने पृथ्वी से असुरों के विनाश के लिए यहां यज्ञ का आयोजन भी किया था। इनके अलावा, आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारीज का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय भी यहां स्थित है।

मनमोहक नक्की झील: पहाड़ों की छांव और अरावली की हरियाली के मध्य मचलती अति रमणीय नक्की झील को माउंट आबू का दिल कहा जाता है। 11000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ढाई किलोमीटर लंबी यह झील कौतुहल पैदा करती है। एक किंवदंती के अनुसार, रसिया बालम नामक शिल्पकार और तत्कालीन राजा की बेटी एक-दूजे से प्रेम करते थे। लेकिन राजा की शर्त थी कि अगर शिल्पकार एक रात में झील की खुदाई कर देता है, तो वह अपनी पुत्री उससे ब्याह देंगे। रसिया ने यह चमत्कार कर दिखाया। हालांकि बाद में राजा ने अपनी बेटी उसे देने से इंकार कर दिया। दूसरी कथा के अनुसार, देवताओं ने बाली राक्षस से रक्षा के लिए अपने नाखूनों से इस झील का निर्माण किया था। इसलिए इसका नाम नक्की झील पड़ा। गरासिया जनजाति के लिए यह पवित्र झील आस्था की प्रतीक है।

बहुत प्रसिद्ध है सनसेट प्वॉइंट: फिल्म 'कयामत से कयामत तक' का एक खूबसूरत संवाद है, 'इस डूबते हुए सूरज ने हमें पहली बार मिलाया था। यही हमें एक दिन हमेशा के लिए मिला देगा।' अभिनेता आमिर खान और जूही चावला के इस संवाद में जिस 'डूबते हुए सूरज' का जिक्र हो रहा, वह यहीं माउंट आबू के सनसेट प्वाइंट पर शूट की गई थी। यहां पास ही में स्थित हनीमून प्वॉइंट नव विवाहितों का पसंदीदा स्थान है। माउंट आबू आने वाले पर्यटकों के लिए सनसेट प्वॉइंट रोमांच से भरपूर एक ऐसा मनोरम स्थल है, जहां से पल-पल रंग बदलते आकाश एवं बादलों की ओट में छिपते-ढलते सूर्य के विस्मयकारी दृश्य को देखा जा सकता है। यहां आने वाले पर्यटक इन नजारों को अपनी यादों के साथ-साथ अपने कैमरे में भी जरूर कैद करते हैं।

विश्व प्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मंदिर: अपनी माउंट आबू यात्रा के दौरान आप दिलवाड़ा जैन मंदिर अवश्य जाएं। 11वीं से 13वीं शताब्दी के दौरान निर्मित दिलवाड़ा जैन मंदिर, जैन वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर का प्रवेशद्वार गुंबद वाले मंडप से होकर गुजरता है। सामने एक वर्गाकार भवन है, जिसमें छह स्तंभ और दस हाथियों की प्रतिमाएं हैं। पांच मंदिरों के इस समूह में विमल शाह द्वारा निर्माण कराया गया मंदिर, सबसे पुराना है, जो जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर को समर्पित है। इसके अलावा, 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ को समर्पित लून वासाही मंदिर भी दर्शनीय है। यहां एक अद्भुत देवरानी-जेठानी मंदिर भी है, जिसमें भगवान आदिनाथ एवं शांतिनाथ जी की मूर्तियां स्थापित हैं। संपूर्ण मंदिर एक प्रांगण के अंदर घिरा हुआ है, जिसमें छोटे स्तंभों की दोहरी पंक्तियां हैं। यहां फूल-पत्तियों और अन्य मोहक डिजाइनों से अलंकृत, नक्काशीदार छतें, पशु-पक्षियों की शानदार आकृतियां, सफेद स्तंभों पर बारीकी से उकेरी गई बेलें, जालीदार नक्काशी से सजे तोरण और जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं हैं।

पीस पार्क में प्रकृति का आनंद: ब्रह्मा कुमारी का पीस पार्क, विविध प्रजातियों के पेड़-पौधों के बीच आपको एक अलग ही जगत में होने का एहसास कराएगा। यहां फूलों के साथ-साथ फलों के भी उद्यान हैं। यहां गुलाब, नीबू, बांस समेत अनेक वृक्ष देखे जा सकते हैं। खूबसूरत रॉक गार्डन एवं अन्य लैंडस्केपिंग को देखना भी कम दिलचस्प नहीं है। पार्क में ध्यान के लिए विशेष कोना भी है। *

कैसे जाएं: माउंट आबू का सबसे निकटतम हवाई अड्डा उदयपुर 185 किलोमीटर, जबकि अहमदाबाद 235 किलोमीटर दूर है। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन आबू रोड 28 किलोमीटर की दूरी पर है, जो अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर और जोधपुर से जुड़ा है। यह सड़क मार्ग से देश के सभी प्रमुख शहरों से जुड़ा है। दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से माउंट आबू के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध है। राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें दिल्ली के अलावा अन्य शहरों से माउंट आबू के लिए अपनी सेवाएं मुहैया कराती हैं।

कब जाएं: आप गर्मी या सर्दी कभी भी यहां जा सकते हैं। नवंबर से फरवरी के बीच यहां सर्दी का मौसम होता है। काफी पर्यटक आते हैं। इसके अलावा, अप्रैल से जून के बीच भी यहां घूमने जाया जा सकता है। अगर मानसून का मजा लेना है, तो जुलाई से सितंबर के महीने में यहां की योजना बना सकते हैं।

किसी को उबासी लेते देख आपको भी जम्हाई आने लगती है, है ना! वास्तव में कुछ आदतें, हरकतें या प्रतिक्रियाएं ऐसी होती हैं, जो किसी दूसरे को करते देख, ठीक वैसा ही करने के लिए हमारा भी मन मचल उठता है। ऐसा क्यों होता है, जानिए।

इन एक्टीविटीज को देख मन अपना भी मचलता है!

जीवनशैली

शिखर चंद जैन

कई बार अनजाने में दूसरे की किसी एक्टिविटी को देखकर हम भी वैसा करने लगते हैं या वैसा करना चाहते हैं। व्यवहार विशेषज्ञों, समाजशास्त्रियों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कुछ ऐसी इश्यूज का पता लगाया है। आप भी इनके बारे में जानिए।

फ्रेंड जैसे सामान: 'जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस' में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक लोगों को उस चीज की सबसे ज्यादा चाह होने लगती है, जो उनके किसी प्रियजन या मित्र के पास हो। भले ही आपके पास पहले ही एक से एक टी-शर्ट, सलवार सूट या फुटवेयर हों, लेकिन फ्रेंड के पास कोई नया पेयर देखते हैं, तो आपका भी मन मचल उठता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हम किसी चीज के स्वामित्व को जब सेल्फ एस्टीम से जोड़कर देखने लगते हैं, तब ऐसी इच्छा जाग्रत हो जाती है।' कई बार हम इन चीजों को प्रेस्टीज इश्यू बना लेते हैं।

बालों पर हाथ फेरना: व्यक्तित्व विकास के विशेषज्ञ ग्लेन विल्सन ने अपनी किताब 'इंट्रोड्यूसिंग बॉडी लैंग्वेज: ए प्रैक्टिकल गाइड' में लिखा है कि दो व्यक्ति जब एक-दूसरे से व्यक्तिगत बातें कर रहे होते हैं, तो उनमें एक-दूसरे को देखकर अपने बालों में हाथ फेरने या अपने बालों से खेलने की इच्छा बलवती हो उठती है। इस स्थिति को मनोवैज्ञानिक 'सिंक्रोनी' या

'पोश्चरल ईको' कहते हैं। इनका कहना है कि हम अपने सोशल बिहेवियर का काफी कुछ अपने नजदीकी लोगों से देखकर सीखते हैं, इसलिए जाने-अनजाने में हम उनकी बॉडी लैंग्वेज की नकल कर बैठते हैं।

खुजली की तलब: एक अध्ययन के मुताबिक अपने सामने मौजूद किसी व्यक्ति को सिर या कान खुजलाते हुए देखने पर वहां मौजूद दूसरे लोगों को भी ऐसा करने की इच्छा करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हमारे अवचेतन मन में किसी को खुजली करते देख या जम्हाई लेते देख, ऐसा दोहराने की स्वाभाविक प्रवृति होती है। ऐसा ही किसी को पानी पीते देखकर या टॉयलेट के लिए उठता देखकर किसी सार्वजनिक स्थान (जैसे सिनेमा हॉल, क्लास रूम या स्टेडियम) में होता है।

खुद को बीमार महसूस करना: कभी आपके साथ ऐसा जरूर हुआ होगा कि आपके किसी मित्र ने अपनी बीमारी के कुछ लक्षण आपको बताएं हों और आपने भी वैसा ही महसूस किया हो। रिसर्च बताते हैं कि हम दूसरों से 'डर' बहुत जल्दी पिकअप कर लेते हैं। आपने देखा होगा कि कई बार लोग बिना कारण जाने ही कुछ लोगों को सड़क पर दौड़ते देख, खुद भी दौड़ने लगते हैं। पेनसिलवेनिया विवि के मनोवैज्ञानिक लौरेन नेपोलिटानो कहते हैं, 'आप एक साधारण उदाहरण से इसे समझ सकते हैं। किसी संगीत समारोह में बेहद तेज संगीत को जब आप दूसरों को एंज्वॉय करते देखते हैं, तो खुद भी इसे एंज्वॉय करने लायक समझते हैं लेकिन पांच-दस लोग इसके 'लाउड' होने की शिकायत

हंसना या मुस्कुराना

किसी सामूहिक कार्यक्रम के दौरान दूसरों को ठहाके मार कर देखना या एक व्यक्ति को मुस्कुराते हुए देखना स्वतः ही दूसरे लोगों को भी ठहाके मारने या मुस्कुराने के लिए प्रेरित कर देता है। खुशी या सकारात्मक प्रतिक्रिया भी उसी तरह दूसरों को प्रेरित करती है जैसे नेगेटिव एक्टिविटी करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं हर क्रिया की प्रतिक्रिया इंसानी स्वभाव है। अगर कोई व्यक्ति आपको देखकर अच्छी टिप्पणी करता है, खुश होता है या मुस्कुराता है, तो आप खुद-ब-खुद ऐसा करने लग जाते हैं।

करते हुए कान पर हाथ धरते दिख जाते हैं तो आप भी अपने कान ढंक लेते हैं।

तनाव महसूस करना: 'सोशल न्यूरोसाइंस' जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के मुताबिक सहकर्मी का तनाव देखकर अगल-बगल मौजूद दूसरे लोगों में भी स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होने लगता है। दूसरे को टेंशन या तकलीफ में देखकर दुखी या तनावग्रस्त होना मानवीय प्रवृति है। ठीक ऐसा ही क्रोध के मामले में भी होता है। दूसरे का क्रोध देखकर हम भी उत्तेजित हो जाते हैं और क्रोध भरे स्वर में बात करने लगते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कोंसिन-मेडिकल की शोधकर्ता एलिजाबेथ क्रुसमार्क के अनुसार, 'भावनात्मक संक्रामकता शरीर में घटित होने वाले केमिकल सिग्नल्स की वजह से उत्पन्न होती है। यही वजह है कि किसी को तनाव, क्रोध या बेचैनी में देखकर हम भी वैसा ही महसूस करने लगते हैं।'

कम या ज्यादा भोजन करना: कई अध्ययनों में पाया जा चुका है कि किसी रेस्तरां या पार्टी में आप अगर ज्यादा भोजन करने वाले लोगों के साथ हैं, तो आप भी ज्यादा मात्रा में भोजन कर लेते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में 12,000 से ज्यादा लोगों पर किए अध्ययन में पाया गया कि किसी समूह का एक व्यक्ति 'मोटा' हो जाए तो उसके नजदीकी लोगों में मोटापे की संभावना 57 फीसदी बढ़ जाती है। ठीक ऐसा ही सेहत के प्रति जागरूक और संयमित खान-पान करने वालों के साथ रहने से होता है। *

अनेक अध्ययनों से साबित हुआ है कि हमारी लापरवाही से प्रदूषित हो रहे वातावरण से अनेक बीमारियां पनप रही हैं। हम अपने पर्यावरण को प्रदूषणमुक्त बनाकर, सही जीवनशैली अपनाकर ही स्वस्थ रह सकते हैं। इसके लिए प्रयास हमें ही करने होंगे।

पर्यावरण बनाएं प्रदूषणमुक्त आप रहेंगे स्वस्थ-ऊर्जावान

दायित्व

डॉ. राकेश 'चक्र'

वर्षों से अनेक वैज्ञानिक अध्ययन इस बात को इंगित कर रहे हैं कि हम इंसान ही अपने पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। यह जानते हुए भी कि यह प्रवृत्ति हमें विनाश की ओर ले जा सकती है, प्रकृति और पर्यावरण के विरुद्ध गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली अपनाकर उसे प्रदूषित करते ही जा रहे हैं।

हमारी लापरवाही है जिम्मेदार: यह बहुत चिंता का विषय है कि हम अपनी रोजमर्रा की कार्यशैली से पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। हमने प्रकृति के पंच तत्वों-अग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी और जल को प्रदूषित करके भारी नुकसान पहुंचाया है और निरंतर पहुंचाते ही जा रहे हैं। हालात यह हो चुके हैं कि पानी को आरओ से शुद्ध करके पीना पड़ रहा है या फिर फिल्टर्ड पानी की बोतल खरीदनी पड़ रही है। कैंसर के रोगियों में निरंतर वृद्धि हो ही रही है। पैदल चलना अब शान-शौकत के विरुद्ध माना जाता है। पचास-सौ मीटर के लिए भी वाहन का प्रयोग किया जाता है। इसी सुविधाभोगिता के चलते रोग और रोगियों का ग्राफ बढ़ रहा है।

हालात हो जाएंगे गंभीर: अगर हालात यही रहे, तब निकट भविष्य में हमें श्वास लेने के लिए हमेशा मास्क पहन कर चलना पड़ेगा। कदाचित अब जल्दी ही ऐसा भयावह समय आने वाला है कि हमें ऑक्सीजन का सिलेंडर साथ में लेकर चलना पड़ेगा, तब कहीं हम श्वास लेकर जीवित रहने के लिए संघर्ष कर पाएंगे। ऐसे में हमें चिंतन-मनन करना ही होगा कि हम किस दिशा और दशा की ओर बढ़ रहे हैं? इसमें सुधार के लिए पर्यावरण को स्वच्छ करने की शुरुआत हमें स्वयं से ही करनी होगी। यह तभी हो सकता है, जब हम अपने मन से पूरी तरह संकल्पित हो जाएं।

ऐसे करें खुद से शुरुआत: आने वाली भयावह स्थितियों से बचने के लिए सबसे पहले तो हम अपनी दिनचर्या में ही आमूल-चूल परिवर्तन करें। आहार-विहार को प्रकृति के अनुकूल ढालें। सुविधाभोगिता की वस्तुओं का प्रयोग उतना ही करें, जितना अतिआवश्यक हो। अपने आस-पास तुलसी, मनीप्लांट, स्नेकप्लांट, नीम, पीपल आदि के पौधे अधिक से अधिक रोपें और देखभाल करें। सुविधाभोगिता में कटौती करके ही बिजली की बचत की जा सकती है। 'एसी संस्कृति' भयावह प्रदूषण की ओर ले जा रही है। हम न भूलें एसी में प्रयुक्त होने वाली गैस वातावरण को प्रदूषित करती है। इसलिए जहां तक संभव हो एसी का प्रयोग न करें या बहुत सीमित मात्रा में करें।

स्वच्छता का रखें ध्यान: अपने घर के आस-पास सड़क और पार्क की स्वच्छता का भी ध्यान रखें। घर की रसोई से निकलने वाले सब्जियों और फलों के छिलके, चाय पत्ती आदि का खाद बनाएं, वह आसानी से बन जाता है। इसका तरीका यही है कि छिलके आदि को खाली गमले, प्लास्टिक के कट्टे या अनुउपयोगी बाल्टी, डब्बे आदि में भरते जाएं। जब वह आधा भर जाए तो उसमें ऊपर से मिट्टी भर दें। दो चार दिन थोड़ा-थोड़ा पानी डाल दें, मिट्टी के ऊपर कोई भी पौधा रोप दें। पौधा बढ़ता रहेगा और कचरा खाद में परिवर्तित होकर उपयोगी मिट्टी बनता रहेगा।

यथासंभव रोकें प्रदूषण: जरूरी नहीं कि कहीं भी जाने के लिए स्कूटर, बाइक या कार ही निकालें। आस-पास एक डेढ़ किलोमीटर की दूरी दस-पंद्रह मिनट पैदल चलकर तय कर सकते हैं। कुछ अधिक दूरी को साइकिल से भी पूरा कर सकते हैं। इससे हम स्वस्थ भी रहेंगे।

जीवनशैली में करें सुधार: कूड़ा-करकट यथास्थान पर ही एकत्र करें, इधर-उधर न फेंकें। धूम्रपान, गुटखा और मद्यपान आदि से बचें। ये सिर्फ वातावरण को ही नहीं हमारे शरीर के तंत्र को भी प्रदूषित कर देते हैं। *

साल 1975 देश के लिए सामाजिक-राजनीतिक दृष्टि से उथल-पुथल भरा रहा। हिंदी सिनेमा के लिहाज से भी वह वर्ष अभूतपूर्व रहा। उस वर्ष आई उन तीन फिल्मों 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां' से जुड़ी कुछ रोचक बातों पर एक नजर, जिसने सफलता और कमाई के झंडे तो गाड़े ही, हिंदी सिनेमा को नई दिशा भी दी।

तीन ब्लॉक बस्टर फिल्मों के 50 साल

शोले-दीवार-जय संतोषी मां

बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश

अब से पचास साल पहले यानी वर्ष 1975 में सिल्वर स्क्रीन पर तीन ऐसी हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, जिसने कमाई और कामयाबी के नए कीर्तिमान स्थापित किए। आपातकाल का वह वर्ष देशवासियों की चेतना में, उनके जीवन में कई तरह के बदलाव लेकर आया। वहीं उस साल रिलीज हुई तीन सुपरहिट फिल्मों ने हिंदी सिने प्रेमियों को मनोरंजन और भक्ति का बेहतरीन तोहफा दिया। वह साल हिंदी फिल्म जगत के लिए मील के पत्थर की तरह रहा। उस साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली तीन फिल्में थीं- 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां'। 2025 इन तीनों ही फल्मों की रिलीज का स्वर्ण जयंती वर्ष है।

दीवार लिखी सफलता की नई इबारत

वर्ष 1975 में 24 जनवरी को फिल्म 'दीवार' रिलीज हुई। यह उस दौर में एक नई तरह की फिल्म थी। फिल्म का कथानक सामाजिक मुद्दों को उठाते हुए कुछ इस तरह से रचा गया था कि इसने गरीबी, अन्याय, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को विस्फोटक रूप से पेश किया। फिल्म में दो भाइयों के बीच खड़ी 'दीवार' ने दर्शकों को अपनी तरफ खूब खींचा। इसमें अमिताभ की 'एंग्री यंग मैन' इमेज के दर्शक कायल हो गए। सही अर्थों में इस फिल्म को न्यायप्रिय समाज का प्रतिबिंब कहा जा सकता है। 'दीवार' के डायलॉग्स आज भी सिने-प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हैं। 'मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता', 'जाओ पहले उस आदमी के साइन लेकर आओ..' जैसे डायलॉग्स सुनते ही सिनेमाघरों में दर्शकों की सीटियां और तालियां गूंजने लगती थीं। अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले नायक के रूप में अमिताभ बच्चन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसी फिल्म में शशि कपूर का डायलॉग 'मेरे पास मां है' दर्शकों को इमोशनल कर जाता है।

शोले तोड़े कामयाबी के रिकॉर्ड

15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई 'शोले' को हिंदी फिल्म इतिहास के अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक के रूप में गिना जाता है। जब यह फिल्म रिलीज हुई तो इसके सफल होने पर ही लोग शक कर रहे थे। लेकिन इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। फिल्म ने सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस फिल्म ने सौ सिनेमाघरों में अपनी रिलीज की

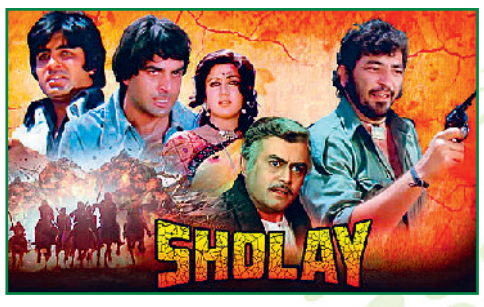

सिल्वर जुबली और पचास से अधिक में गोल्डेन जुबली का रिकॉर्ड कायम किया। फिल्म निर्माण जगत में यह क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली फिल्म मानी जाती है। फिल्म का वह दृश्य जिसमें जय (अमिताभ) वीरू (धर्मेंद्र) को कारतूस लाने के लिए कहता है, उसमें सिक्के का एक ही पहलू अभी तक दर्शकों को रोमांचित कर देता है। जहां कहीं दोस्ती निभाने की बात आती है, वहां जय-वीरू और 'शोले' का सिक्का दर्शक नहीं भूलते हैं। जय का बसंती (हेमा मालिनी) से पूछना, 'तुम्हारा नाम क्या है बसंती?' वीरू का टंकी वाला सीन और 'सुसाइड' वाला डायलॉग। गब्बर (अमजद खान) के डायलॉग्स, 'कितने आदमी थे?', 'तेरा क्या होगा कालिया?', बसंती (हेमा मालिनी) का डायलॉग, 'चल धन्नो, आज तेरी बसंती की इज्जत का सवाल है', ठाकुर (संजीव कुमार) पर फिल्माए गए दृश्य और संवाद। राधा (जया बच्चन) का चुलबुलापन और मौन। 'अंग्रेजों के जमाने के जेलर' (असरानी) और सूरमा भोपाली (जगदीप) के कॉमेडी सींस। फिल्म का एक-एक दृश्य, एक-एक पात्र, एक-एक डायलॉग, एक-एक गीत आज भी सिने प्रेमियों के जेहन में जीवंत है।

जय संतोषी मां जलाई भक्ति की अलख

'दीवार' और 'शोले' ने जहां हिंसा और बदले की भावना को प्रतिबिंबित किया, वहीं 'जय संतोषी मां' ने आस्था, भक्ति और विश्वास की जीत दिखाकर ब्लॉक बस्टर का तमगा हासिल किया। यह फिल्म 'शोले' के साथ ही यानी 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। सामूहिक परिवार की कहानी में भाइयों की आपसी खींचतान के साथ इस फिल्म ने धर्म तथा आस्था का बेजोड़ संगम प्रस्तुत किया। आस्था, विनम्र भक्ति में रची-बसी 'जय संतोषी मां' ने भक्ति फिल्मों के एक ऐसे युग की शुरुआत की, जिसको पचास साल बाद भी भारतीय फिल्म उद्योग और समाज मानक मानकर चलता है। फिल्म में भजन और आरती के समय दर्शक एक साथ खड़े हो जाया करते थे। फिल्म समीक्षक इस बात को प्रमुखता से इंगित करते हैं कि फिल्म की रिलीज के बाद समाज में संतोषी माता के प्रति आस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। फिल्म के भजन और आरती- 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'यहां-वहां, जहां-तहां, मत पूछो कहां-कहां', 'करती हूं तुम्हारे व्रत मैं', 'मदद करो संतोषी माता' भक्ति संगीत में मील के पत्थर बन चुके हैं। आज भी इस फिल्म के गीत घरों और मंदिरों में भक्तिभाव से गाए, बजाए और सुने जाते हैं। *